



संपादकीय

कैंसर इलाज में राहत

मरीज़ों को सस्ती दवाएं मिलना सुनिश्चित हो

सही मायने में इसे एक अमानवीय कृत्य ही कहा जाएगा कि कैंसर जैसे घातक रोग से जूझ रहे मरीजों से दवाओं के मनमाने दाम वसूले जाएं। इस जानलेवा रोग से जूझ रहे मरीजों को यूं तो उपचार की अन्य मदों में भी काफी खर्च करना पड़ता है, लेकिन दवाओं की अधिक कीमतों पर नियंत्रण लगाया जाना किसी हद तक राहतकारी साबित हो सकता है। अब केंद्र सरकार ने नॉन-शेड्यूल्ड एंटी-कैंसर दवाइयों पर ट्रेड मार्जिन को तीस फीसदी तक सीमित करने का फैसला किया है। निस्संदेह, यह कदम उस हेल्थकेयर क्षेत्र में एक स्वागत योग्य पहल है, जहां मरीजों को अधिक पैसा चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। दरअसल, कैंसर का त्रास झेल रहे व्यक्ति व

“ अब केंद्र सरकार ने नॉन-शेड्यूल्ड एंटी-कैंसर दवाइयों पर ट्रेड मार्जिन को तीस फीसदी तक सीमित करने का फैसला किया है। निस्संदेह, यह कदम उस हेल्थकेयर क्षेत्र में एक स्वागत योग्य पहल है, जहां मरीजों को अधिक पैसा चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। दरअसल, कैंसर का त्रास झेल रहे व्यक्ति व उसके परिवार पर इस रोग का उपचार आर्थिक रूप से भारी बोझ डालता है। ऐसे में कैंसर रोग में काम आने वाले दवाइयों की कीमत में कमी लाने का प्रयास समय की जरूरत भी है। सरकार का अनुमान है कि दवाइयों की कीमतों में नये सिर से नियमन के जरिये मरीजों को हर साल 2,500 करोड़ रुपये तक की बचत होगी।

सरकार द्वारा कैंसर के मरीजों को राहत देने का यह प्रयास नेशनल फार्मास्यूटिकल प्रोड्रिंसिंग अथॉरिटी के 2019 के उस फैसले को ही आगे बढ़ाता है, जिसमें 42 नॉन-शेड्यूल्ड कैंसर-रोधी दवाओं को शामिल किया गया था। दावा किया जाता रहा है कि उस पहल के उपरांत दवाइयों के 526 ब्रांड्स में वार्षिक रूप से 984 करोड़ रुपये की बचत मरीजों को हुई थी। अतः पिछला अनुभव बताता है कि ट्रेड मार्जिन को रेगुलेट करने से पूरी मार्केट में एक जैसी कीमतें लागू किए बिना भी मरीजों को वास्तविक लाभ जमीनी स्तर पर मिल सकता है। वास्तव में कैंसर के मरीजों को राहत देने के उपायों के क्रम में और अधिक दवाइयों को इस राहत के दायरे में लाना होगा। जिसमें विदेशों से आयातित और पेटेंटेड दवाइयां भी शामिल हैं। तभी कैंसर रोगियों को वास्तव में अधिक राहत मिल सकेगी क्योंकि अभी भी उन्हें बहुत ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है। वैसे हकीकत में देखा जाए तो दवाइयों के मूल्य की सीमा तय करने के बाद भी कैंसर के महंगे इलाज का कारगर व्यापक समाधान संभव नहीं है। दरअसल, मरीजों के सामने जांच, सर्जरी, रेडिएशन, अस्पतालों में भर्ती होने और इलाज के बाद की देखभाल के लिये भारी-भरकम बिल चुकाने की मजबूरी होती है। राहत के लिये अस्पतालों के जरिये बेची जाने वाली चिकित्सा सामग्री और दवाइयों की ज्यादा कीमतों की भी जांच होनी चाहिए। पिछले दिनों देश की शीर्ष अदालत ने भी इस बात को लेकर चिंता जतायी थी कि अस्पतालों में दवाइयों और चिकित्सा में सहायक उपकरणों के दाम मनमाने तरीके से वसूले जाते हैं। निश्चित रूप से देश में सुप्रीम कोर्ट की चिंता के अनुरूप चिकित्सा तंत्र में पारदर्शिता लाने और जवाबदेही तय करने की सख्त जरूरत है।

जिला स्तर पर हो युद्धकाल जैसी तैयारी

सैयद अता हसनैन

सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल

भारत में लगभग 750 ज़िला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण हैं फिर भी हर जगह स्थायी और पेशेवर ऑपरेशन रूम नहीं हैं। जून 2023 में गुजरात सरकार ने एक बेहतरीन उदाहरण पेश किया, जब चक्रवात ‘बिपरजॉय’ की आशंका के मद्देनज़र 3.2 करोड़ संदेश भेजे गए और एक भी जान नहीं गई।

सेना में एक बात अक्सर सुनने को मिलती है : ‘कोई लड़ाई नहीं लगी है।’ यानी जब कोई युद्ध नहीं चल रहा है, तब इतनी जल्दी किस बात की? लेकिन खुफिया विभाग, क्रियान्वयन, योजना, कमान और रणनीतिक मामलों में अपनी जिंदगी बिताने के बाद, मेरा मानना ​​इसके उलट रहा है। मेरी दृष्टि में, हमें हमेशा ही युद्धकाल जैसी तैयारियां रखनी चाहिए—भले ही युद्ध वास्तव में न हो, लेकिन संस्थागत तौर पर हो। कभी भी कोई संकट खड़ा हो सकता है। संकट आने के बाद तैयारी शुरू नहीं की जा सकती। ज़मीनी स्तर पर सैनिक अक्सर इसका पूर्वाभ्यास करते हैं।

प्रत्येक कमान-नियुक्ति के दौरान, मुश्किल हालात में मैंने अपने मातहतों के लिए एक नियम बनाया था : जब भी कोई जानकारी मिले, सबसे पहले मुझ तक पहुंचाई जाए। पूरी तस्वीर साफ़ होने का इंतज़ार न करें। इसलिए, स्टाफ़ और मातहत कमांडर अपना वह काम करते रहे, जिसका प्रशिक्षण उन्हें दिया गया था। मैं निगरानी रखता, सलाह देता, विकल्पों पर चर्चा करता या ज़रूरत पड़ने पर दखल देता। कमांडर को शुरुआती कुछ मिनट बर्बाद नहीं करने चाहिए।

मुझे रात के किसी भी पहर जगाया जा सकता था। मैंने अपने संदेशवाहकों को निर्देश दे रखा था कि जानकारी देने से पहले मुझे आधा मिनट दिया जाए। मेरे बिस्तर के पास हमेशा गर्म पानी रहता था। उन चंद सेकंडों में मैं अपनी चेतना को एकाग्र कर पाऊं और गला साफ़ कर सकूं। संकट के समय कमांडर की आवाज़ में संयम और अधिकार का भाव होना चाहिए। 26/11 का मुंबई आतंकी हमला इस बात की स्थायी याद दिलाता है कि सूचना, भले ही टुकड़ों में और समय के साथ-साथ मिले, अपने आप बचाव की कार्रवाई शुरू नहीं करा देती। सूचना प्राप्त करना और उसे कार्रवाई में बदलना, दोनों अलग-अलग बातें हैं। खतरे की पहचान होने और उसके जवाब में कार्रवाई करने के बीच कई चरण होते हैं : जानकारी का सही अर्थ निकालना, उसे आगे संप्रेषित करना, फैसला लेना, आदेश देना, इंतज़ाम करना और क्रियान्वयन करना। तथापि, हर चरण में विफलता की



संभावना रहती है।

आपदा प्रबंधन में यह बात और भी साफ़ तौर पर दिखाई देती है। मैंने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण में छह साल बिताए हैं। चेतावनी मिलने के बाद कार्रवाई के लिए समय बहुत कम होता है। हो सकता है कि सैटेलाइट किसी असामान्य चीज़ का पता लगाए, रडार बहुत ज़्यादा बारिश होने का संकेत दे, नदी का जलमापक पानी का खतरनाक स्तर दिखाए या कोई वैज्ञानिक एजेंसी सही चेतावनी जारी करे। फिर भी, इनमें से कोई भी चीज़ अकेले किसी की जान नहीं बचा सकती। नवंबर, 2023 में सिलक्वारा टनल हादसे के दौरान मैंने खुद इसकी अहमियत देखी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थिति को गंभीरता को जल्द समझ लिया और निर्देश दिया कि बिना किसी देरी के ज़रूरी हर संसाधन उपलब्ध कराया जाए। हमने कामयाबी पाने के लिए पूरी लगन के साथ काम किया। हमने इस बचाव अभियान को एक युद्ध की तरह लिया है।

तकनीकी सूचना को सबसे पहले ऐसी भाषा में बदलना ज़रूरी है, जिसे आसानी से समझा जा सके। ज़मीन पर काम करने वाले व्यक्ति को किसी वैज्ञानिक शोध-पत्र की ज़रूरत नहीं होती। उसे पांच सवालों के जवाब चाहिए होते हैं : क्या होने की संभावना है? कहाँ? कब? किसें खतरा है? अब क्या करना चाहिए? तकनीकी जानकारी को कार्रवाई के निर्देशों में बदलने के इस काम को आपदा प्रबंधन का सही अर्थ निकालना, उसे आगे संप्रेषित करना, फैसला लेना, आदेश देना, इंतज़ाम करना और क्रियान्वयन करना। तथापि, हर चरण में विफलता की

उपयोगिता समय के साथ खत्म हो जाती है। चेतावनी कितनी जल्दी मिलती है, यह प्रतिक्रियात्मक उपाय करने के लिए उपलब्ध समय को निर्धारित करता है। हर ऐसी देरी, जिसे टाला जा सकता था, इस समय को बर्बाद कर देती है।

जानकारी पहुंचाने के लिए तकनीक कई प्रकार के माध्यम मुहैया कराती है, जैसे सेल ब्रॉडकास्ट, एसएमएस, मैसेजिंग प्लेटफॉर्म, टेलीविज़न, रेडियो, सोशल मीडिया, सायनर, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, सैटेलाइट कम्युनिकेशन और सरकारी एवं पुलिस नेटवर्क। लेकिन संदेश जारी करना और उसे सही ढंग से पहुंचाना एक ही बात नहीं है।

सरकार को ज़्यादा से ज़्यादा लोगों तक पहुंचने के लिए हर उपलब्ध तरीके का इस्तेमाल करना चाहिए और बैकअप के तौर पर एक से ज़्यादा तरीके अपनाने चाहिए। हर किसी को चेतावनी नहीं मिल पाएगी। हो सकता है कि किसी का फ़ोन बंद हो, नेटवर्क काम न कर रहा हो या लोग सो रहे हों। भाषा और साक्षरता भी मायने रखती हैं। दूर-दराज़ के इलाकों में सिमल की कमी हो सकती है और कुछ लोग सलाह को नज़रअंदाज़ भी कर सकते हैं।

इसीलिए मैं ज़िला स्तर पर आपातकालीन प्रतिक्रिया अभियानों को लेकर चिंतित रहता हूं। भारत में लगभग 750 ज़िला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण हैं फिर भी हर जगह स्थायी और पेशेवर ऑपरेशन रूम नहीं हैं। जून 2023 में गुजरात सरकार ने एक बेहतरीन उदाहरण पेश किया, जब चक्रवात ‘बिपरजॉय’ की आशंका के मद्देनज़र 3.2 करोड़ संदेश भेजे गए और एक भी जान नहीं गई।

पहली चेतावनी कहाँ पहुंचनी चाहिए? रात दो बजे

चैनल की निगरानी कौन करेगा? कौन इसे प्राप्त करेगा और ज़िला मजिस्ट्रेट को सूचित करेगा? कौन इसे लागू करने योग्य आदेशों में बदलेगा? कौन पुलिस, अग्निशमन सेवा, अस्पतालों, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की इकाइयों, इंजीनियरों और स्थानीय प्रशासन को सतर्क करेगा? कौन लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाने का आदेश देगा, शरणस्थलों की पहचान करेगा, परिवहन की व्यवस्था करेगा और यह पुष्टि करेगा कि कार्रवाई शुरू हो गई है? कौन कार्रवाई की स्थिति पर नज़र रखेगा? कौन नागरिकों को बताएगा कि मदद आ रही है? इन सभी बातों का निर्धारण पहले से होना चाहिए और उनका पूर्वाभ्यास भी किया जाना चाहिए।

ऑपरेशन रूम प्रतिक्रिया का नाड़ी तंत्र होता है। इसके लिए प्रशिक्षित लोगों, अद्यतन संपर्क निर्देशिका, मानक संचालन प्रक्रियाओं, संचार के लिए बैकअप सिस्टम, संसाधनों की जानकारी, निर्णय लेने की व्यवस्था, लेखा-जोखा रखने की प्रणाली और मिल-जुलकर काम करने की आदत की जरूरत होती है। आपसी तालमेल और तुरंत प्रतिक्रिया देने की क्षमता पहले से ही विकसित करके रखनी पड़ती है। यह क्रम स्वाभाविक आदत बन जाना चाहिए : संदेश मिलना, समझना, सरल बनाना, निर्णय लेना, संप्रेषित करना, लोगों को जुटाना, पुष्टि करना, अद्यतन जानकारी देना और भरोसा दिलाना। चेतावनी के बाद संचार व्यवस्था भंग नहीं होनी चाहिए। आपदा में फंसे लोगों को यह जानने की ज़रूरत होती है कि क्या हो रहा है, उन्हें क्या करना चाहिए और क्या मदद आ रही है। जानकारी की कमी होने पर राहत पहुंचने की तुलना में अफवाहें तेज़ी से फैलती हैं।

यही सिद्धांत राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी लागू होता है। साइबर हमले, आतंकी घटनाएं, सेना से जुड़ी आपातकालीन स्थितियां और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे में विफलताएं भले ही देखने में अलग-अलग हों, लेकिन ये सभी जानकारी और कार्रवाई के बीच के अंतर की परीक्षा लेती हैं। संकट के शुरुआती कुछ मिनट कमान से संपर्क स्थापित करने, टेलीफोन नंबर खोजने, अनजान तकनीकी शब्दों को समझने या अधिकार पर बहस करने के लिए नहीं होते। ये वे पल होते हैं, जब उन कामों को अंजाम दिया जाता है, जिनके बारे में संस्थाओं ने पहले ही सोचा-विचार कर लिया हो और जिनका पूर्वाभ्यास किया जा चुका हो। इसलिए, ‘कोई लड़ाई नहीं लगी है’ जैसी सोच काम न करने का तर्क कभी नहीं बननी चाहिए। बल्कि, यह तैयारी करने की वजह होनी चाहिए।

लेखक वर्तमान में बिहार के राज्यपाल हैं।

डॉ. जगदीप सिंह

सच्चे लोकतंत्र की पहचान यही है कि हर आवाज सुनी जाए और समस्याओं का समाधान संवाद, सहमति तथा संवैधानिक मूल्यों के आधार पर निकाला जाए।

भारत में विद्यार्थी, किसान, कर्मचारी, विभिन्न संगठन और राजनीतिक दल समय-समय पर अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करते रहते हैं। ये आंदोलन लोकतंत्र की अभिव्यक्ति हैं, किंतु जब लंबे समय तक चलते हैं तो सरकारी कामकाज बाधित होता है, सड़कें अवरुद्ध हो जाती हैं और आम नागरिकों का दैनिक जीवन प्रभावित होता है। कई बार छोटी-सी असहमति भी हिंसक रूप ले लेती है, जिससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है। इस स्थिति से निपटने के लिए एक स्थायी तंत्र की आवश्यकता है, जो आंदोलन शुरू होने से पहले ही संवाद स्थापित करे और समस्याओं का समाधान निकालने का प्रयास करे।

निःसंदेह, इसके लिए एक अलग समन्वय मंत्रालय बनाया जाना चाहिए। इस मंत्रालय का नेतृत्व कोई अवकाश प्राप्त

न्यायाधीश व सरकार का प्रतिनिधि करे, जो पूर्णकालिक रूप से इसी कार्य के लिए समर्पित हो। मंत्रालय में एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी नियुक्त किया जाए, जो दैनिक समन्वय का दायित्व संभाले। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस मंत्रालय में विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाए। आंदोलन लोकतंत्र का अभिन्न अंग हैं, क्योंकि वे जनता की आवाज को सत्ता तक पहुंचाने का माध्यम बनते हैं।

यह विभाग स्वतंत्र और निष्पक्ष होना चाहिए, ताकि उस पर किसी राजनीतिक दल का प्रभाव न पड़े। इसमें अनुभवी मध्यस्थों, समाजशास्त्रियों, कानून विशेषज्ञों, प्रशासनिक अधिकारियों और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए। इसकी कार्यप्रणाली पारदर्शी हो और इसकी सिफारिशों को सरकार गंभीरता से ले। जब कोई नया मुद्दा सामने आए, तो विभाग तुरंत सक्रिय होकर संबंधित पक्षों को बातचीत के लिए आमंत्रित करे और संवाद की प्रक्रिया शुरू करे। यदि किसी पक्ष को बातचीत के



बाद भी असंतोष हो, तो विभाग संवाद जारी रखे, ताकि विवाद को बढ़ने से रोका जा सके।

ऐसे विभाग की स्थापना से समस्याओं का शीघ्र समाधान संभव होगा, क्योंकि संवाद आंदोलन शुरू होने से पहले ही आरंभ हो जाएगा। दूसरा, सरकारी कामकाज निर्बाध रूप से चलता रहेगा और कार्यालयों का काम प्रभावित नहीं होगा। तीसरा, यातायात और आम जनजीवन पर पड़ने वाला प्रतिकूल प्रभाव कम होगा, जिससे नागरिकों को अनावश्यक परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। चौथा, आर्थिक गतिविधियों पर पड़ने वाला प्रतिकूल प्रभाव कम होगा। पांचवां, हिंसक घटनाओं की आशंका कम होने से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहायता मिलेगी। सबसे

महत्वपूर्ण बात यह है कि जनता की बात सुनने और समस्याओं का समाधान निकालने के लिए एक संस्थागत माध्यम उपलब्ध होने से लोकतंत्र मजबूत होगा। इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण सभा के संवैधानिक अधिकारों का सम्मान करते हुए सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। विश्व के कई देशों में विवादों और विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए संवाद एवं मध्यस्थता की व्यवस्थाएं विकसित की गई हैं। दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद व्यवस्था के अंत के बाद राष्ट्रीय शांति समझौते के अंतर्गत स्थानीय और क्षेत्रीय शांति समितियां गठित की गईं। ये समितियां विभिन्न समुदायों के बीच

विवादों को सुलझाने का कार्य करती थीं। जब कोई तनाव उत्पन्न होता तो समिति तुरंत मध्यस्थता करती और स्थानीय स्तर पर समझौता करवाती। इससे बड़े पैमाने पर हिंसा की घटनाएं कम हुईं और राजनीतिक संक्रमण शांतिपूर्ण रहा।

भारत में भी कुछ संस्थाएं मानवाधिकारों और अल्पसंख्यकों से संबंधित मुद्दों पर कार्य करती हैं, किंतु आंदोलन से जुड़े व्यापक विवादों के समाधान में उनकी भूमिका सीमित है। यदि एक समर्पित संवाद विभाग स्थापित किया जाए, तो वह इन संस्थाओं के साथ समन्वय करके अधिक प्रभावी ढंग से कार्य कर सकता है। इस विभाग की सफलता के लिए कुछ शर्तें आवश्यक हैं। पहली, इसे पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त होनी चाहिए। दूसरी, इसके पास पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षित कर्मचारी होने चाहिए। तीसरी, सरकार को इसकी सिफारिशों पर गंभीरता से विचार करके आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए। चौथी, इसकी कार्यप्रणाली पारदर्शी होनी चाहिए और इसके कामकाज के प्रति जवाबदेही

सुनिश्चित की जानी चाहिए। यदि इन शर्तों को पूरा किया जाए, तो यह विभाग आंदोलनों के पीछे मौजूद समस्याओं की पहचान करके उनके स्थायी समाधान खोजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। समस्याओं का समय रहते समाधान होने से जनता का सरकार के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा।

इस प्रकार, एक समर्पित संवाद विभाग की स्थापना भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को अधिक परिपक्व और उत्तरदायी बना सकती है। यह पहल संविधान की मूल भावना के अनुरूप होगी, क्योंकि इसका उद्देश्य लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान करते हुए समस्याओं का शांतिपूर्ण समाधान सुनिश्चित करना होगा। जब सरकार, जनता और विभिन्न संगठन संवाद के माध्यम से समस्याओं का समाधान खोजेंगे, तो लोकतंत्र में विश्वास बढ़ेगा और देश की प्रगति को भी गति मिलेगी। सच्चे लोकतंत्र की पहचान यही है कि हर आवाज सुनी जाए और समस्याओं का समाधान संवाद, सहमति तथा संवैधानिक मूल्यों के आधार पर निकाला जाए।

लेखक असिस्टेंट प्रोफेसर हैं।

अभिनय से बड़ी उनकी इंसानियत की विरासत

हेमंत पाल

फिल्मों में अभिनेता नाना पाटेकर जितनी बार दिखेंगे, उतनी ही बार उनकी आवाज कानों में गुंजेगी और उनके किरदार सामने आकर खड़े होंगे। मगर नाना ने पर्दे पर जितना अभिनय किया, उससे कहीं ज्यादा गहरी भूमिका जिंदगी में निभाई। वे उन लोगों के बीच खड़े दिखाई दिए, जिनकी पीड़ा सुनने वाला भी कोई नहीं था।

सोशल मीडिया पर कॉमेडी रील देखते हुए अंत में एक चेहरा सामने आता है। जोर-जोर से हंसता हुआ, आंखों में शरारत और चेहरे पर वही बेतकल्लुफी, जिसे देखते ही ‘वेलकम’ के उदय शेट्टी की याद आ जाती है। यह चेहरा नाना पाटेकर का है। कभी इस चेहरे पर दर्शक हंसे थे, कभी इसकी आंखों में गुस्सा देखकर सहमे थे और कभी इसकी आवाज में छिपी पीड़ा ने उन्हें भीतर तक छुआ था। अब यह चेहरा असल दुनिया से विदा हो गया। नाना ने अपनी पीछे अभिनय से कहीं बड़ी इंसानियत की विरासत छोड़ी है।

नाना पाटेकर दुनिया से चले गए, लेकिन उनका चेहरा शायद ही कभी हमारी स्मृतियों से विदा होगा। फिल्मों में वे जितनी बार दिखेंगे, उतनी ही बार उनकी आवाज कानों में गुंजेगी और उनके किरदार सामने आकर खड़े होंगे। मगर नाना को सिर्फ अभिनेता के रूप में याद करना उनके व्यक्तित्व से न्याय नहीं होगा।



उन्होंने पर्दे पर जितना अभिनय किया, उससे कहीं ज्यादा गहरी भूमिका उन्होंने जिंदगी में

निभाई। पर्दे पर वे कठोर थे, आक्रामक थे, व्यवस्था को चुनौती देते थे, कभी अपराधी बने,

कभी सैनिक व कभी विद्रोही नायक। लेकिन कैमरा बंद होने के बाद वही आदमी उन लोगों के बीच खड़ा दिखाई देता, जिनकी पीड़ा सुनने वाला भी कोई नहीं था।

नाना पाटेकर को याद करते हुए सबसे पहले उनकी आवाज सुनाई देती है— भारी, खुरदुरी और सीधे दिल में उतर जाने वाली। फिर उनका चेहरा सामने आता है। कभी गुस्से से तना हुआ, कभी व्यवस्था से लड़ता, कभी किसी को चुनौती देता और कभी अचानक खिलखिलाकर हंसता हुआ। हिंदी और मराठी सिनेमा में उन्होंने ऐसे किरदारों को जन्म दिया, जिन्हें केवल अभिनय से नहीं, अपने पूरे व्यक्तित्व से जिया। ‘परिदा’ का अन्ना हो, ‘प्रहार’ का कठोर सैनिक, ‘क्रांतिवीर’ का प्रताप हो या ‘तिरंगा’ का तेवर—नाना ने हर किरदार को अपनी आवाज, आंखों और देहभाषा से ऐसा रूप दिया कि वह चरित्र अभिनेता से बड़ा होकर सिनेमा की स्मृति का हिस्सा बन गया। फिर वही नाना ‘वेलकम’ में उदय शेट्टी बनकर सामने आए तो उनकी अभिनय क्षमता का दूसरा सिरा भी दिखाई दिया। जिस अभिनेता को देखकर दर्शक ‘परिदा’ और ‘क्रांतिवीर’ में सहम सकते थे, वही ‘वेलकम’ में अपनी अजीबो-गरीब हंसी, अंदाज और संवादों से लोगों को हंसाता रहा।

उनकी खासियत थी कि वे किसी एक खांचे में फिट होने वाले अभिनेता नहीं थे। उनके भीतर गुस्सा भी था, करुणा भी; कठोरता भी थी

और हास्य भी। नाना पाटेकर का फिल्मी सफर 1978 की ‘गमन’ से शुरू हुआ। ‘अंकुश’ ने उन्हें पहचान दी और ‘परिदा’ ने उनके अभिनय को नई ऊंचाई तक पहुंचाया। इसके बाद ‘प्रहार’, ‘तिरंगा’, ‘क्रांतिवीर’, ‘खामोशी’, ‘अग्निप्राक्षी’, ‘अब तक छप्पन’, ‘नटसम्राट’ और ‘वेलकम’ जैसी फिल्मों ने उनके अभिनय के विविध रंग सामने रखे। उन्होंने तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों से लेकर 2013 में पद्मश्री सम्मान तक हासिल किया। लेकिन पुरस्कारों की लंबी सूची उस नाना को पूरी तरह परिभाषित नहीं कर सकती, जिसे उनके चाहने वाले एक बेहद सादा और संवेदनशील इंसान के रूप में याद करते हैं।

नाना एक संवेदनशील इंसान थे। महाराष्ट्र के किसानों की त्रासदी ने उन्हें भीतर तक झकझोरा। विदर्भ और मराठवाड़ा के सूखे इलाकों में जब किसानों की आत्महत्याओं की खबरें लगातार सामने आ रही थीं, तब उन्होंने केवल दुःख जताने तक खुद को सीमित नहीं रखा। वे गांवों में गए, किसानों से मिले, उनके परिवारों के बीच बैठे और उनकी परेशानियों को समझने की कोशिश की। किसान परिवारों की सहायता के लिए काम शुरू किया, जो आगे चलकर ‘नाम फाउंडेशन’ के रूप में सामने आया। यह नाना की जिंदगी का शायद सबसे बड़ा अध्याय था। जिस आदमी को सिनेमा ने करोड़ों लोगों की पहचान दी, उसने उस पहचान को अपने लिए नहीं, जरूरतमंदों तक पहुंचने के लिए इस्तेमाल किया।

यहीं नाना पाटेकर अपने फिल्मी किरदारों से कहीं बड़े दिखाई देते हैं। पर्दे पर उन्होंने ऐसे किरदार निभाए, जो अपने गुस्से और तेवर से

व्यवस्था को चुनौती देते थे। असल जिंदगी में उन्होंने उन लोगों का साथ देने की कोशिश की, जो व्यवस्था की सबसे कमजोर सीढ़ी पर खड़े थे। शायद इसलिए उनकी सामाजिक भूमिका उनके अभिनय से अलग नहीं थी। दोनों के पीछे एक ही चीज काम करती थी—अन्याय और पीड़ा को देखकर भीतर से बेचैन हो जाना। नाना को दिखावे से हमेशा दूरी रही। उनका रहन-सहन सादा रहा। बातचीत में भी बनावटीपन नहीं था। यही वजह थी कि उन्हें देखकर लगता था कि यह व्यक्ति पर्दे पर जितना बड़ा अभिनेता है, निजी जिंदगी में उतना ही सहज इंसान है। नाना पाटेकर का जाना सिनेमा के लिए निश्चित रूप से एक बड़ा नुकसान है, लेकिन शायद उससे भी बड़ी क्षति उस दुनिया की हुई है, जहां नेकी की प्रचार की जरूरत नहीं होती। वे अपनी फिल्मों में जीवित रहेंगे, उनके संवाद फिर सुनाई देंगे, ‘वेलकम’ का उदय शेट्टी देखकर लोग फिर हंसेंगे और ‘क्रांतिवीर’ या ‘परिदा’ में वही पुराना गुस्सा फिर दिखाई देगा। मगर अब इन दृश्यों के पीछे खड़ा असली नाना दिखाई नहीं देगा।

वह आदमी, जो पर्दे पर खूंखार हो सकता था, लेकिन जिंदगी में किसी किसान के आंसू देखकर पिघल जाता था। वह अभिनेता, जिसने लाखों दर्शकों को डराया भी, हंसाया भी व रूलाया भी, लेकिन असल जिंदगी में दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने की कोशिश करता रहा। शायद यही नाना पाटेकर की सबसे बड़ी विरासत है। सिनेमा का पर्दा उनके बिना ज़रूर सूना होगा, लेकिन नेकी की दुनिया में जो जगह उन्होंने बनाई, उसे भर पाना आसान नहीं होगा।

सेवा संकल्प



अम्बिकापुर में समान नागरिक संहिता एर बैठक का आयोजन

अम्बिकापुर। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के संबंध में समाज के विभिन्न वर्गों के विचार एवं सुझाव प्राप्त करने के उद्देश्य से सरगुजा संभाग के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण समूह चर्चा और बैठक का आयोजन गुरुवार को अम्बिकापुर स्थित शासकीय राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में किया गया। बैठक में सरगुजा संभाग के पांचों जिलों से एक हजार से अधिक गणमान्य नागरिकों, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, सामाजिक व धार्मिक संगठनों के पदाधिकारियों, शिक्षाविदों तथा निगम, मंडल एवं आयोग के प्रतिनिधियों ने बहु-चटकर हिस्सा लिया। यूसीसी समिति के सदस्य एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एम.के. राउत, वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन पवार, सेवानिवृत्त प्राचार्या डॉ. ज्योति रानी सिंह, आयुक्त रायपुर संभागश्याम लाल धावड़े, संभागयुक्त नरेंद्र कुमार दुग्गा उपस्थित रहे। बैठक के दौरान समिति के समक्ष विवाह और तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार एवं विरासत तथा लिब-इन रिलेशनशिप जैसे संवेदनशील व महत्वपूर्ण मुद्दों पर विभिन्न पक्षों ने खुलकर अपने सुझाव और विचार रखे।

सेवा संकल्प : आंगनबाड़ी केंद्रों को स्मार्ट टीवी

धमतरी। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों को बच्चों के लिए अधिक आकर्षक, ज्ञानवर्धक और सीखने के अनुकूल बनाने की दिशा में सार्थक पहल की जा रही है। कलेक्टर अविनाश मिश्रा के प्रयासों तथा स्थानीय रासस मिल एसोसिएशन के सहयोग से जिले के 82 आंगनबाड़ी केंद्रों को स्मार्ट टीवी उपलब्ध कराए गए हैं। इससे बच्चों के लिए सीखने की प्रक्रिया को अधिक रोचक और सहज बनाने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप के द्वितीय बैच के 36 युवाओं से मुख्यमंत्री ने किया आत्मीय संवाद

युवा शक्ति की सक्रिय भागीदारी से ही विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण संभव : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप के द्वितीय बैच के प्रतिभागियों से आत्मीय संवाद किया। युवाओं के सवालों के जवाब देते हुए उन्होंने अपने छात्र जीवन, संघर्ष, पारिवारिक जिम्मेदारियों से लेकर जनसेवा और सार्वजनिक जीवन की यात्रा के अनुभव उनके साथ साझा किए। उन्होंने युवा फेलो से कहा कि वे इस अवसर का उपयोग केवल शासन की कार्यप्रणाली को समझने के लिए ही नहीं, बल्कि अपने ज्ञान, कौशल और नवीन विचारों के माध्यम से जनजीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए करें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है। विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। युवाओं के पास शिक्षा, ऊर्जा, प्रतिभा और नए विचारों की शक्ति है। जब यह शक्ति जनकल्याण और समाज की बेहतरी से जुड़ती है तो बड़े परिवर्तन का आधार बनती है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट लक्ष्य, निरंतर परिश्रम और प्रत्येक दायित्व का निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन सफलता के साथ आत्मसंतुष्टि भी प्रदान करता है।

संवाद के दौरान युवा प्रतिभागियों ने मुख्यमंत्री श्री साय से फेलोशिप को लेकर उनकी अपेक्षाओं, सुशासन, शिक्षा, रोजगार, निवेश, आधुनिक तकनीक, प्रदेश के विकास में युवाओं की भूमिका और उनके व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक जीवन की यात्रा से जुड़े अनेक प्रश्न किए। मुख्यमंत्री ने सभी प्रश्नों का सहजता और आत्मीयता से जवाब दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस राष्ट्रीय संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ भी विकसित प्रदेश बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत आज विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से प्रगति करते हुए विश्व में अपनी सशक्त भूमिका स्थापित कर रहा है। इस यात्रा को और गति देने में युवाओं की भूमिका निर्णायक है।

उन्होंने युवा फेलो से कहा कि वे अपनी क्षमताओं को निरंतर निखारें, नए विचारों के साथ आगे आएँ और शासन-प्रशासन के साथ कार्य करते हुए जनहित से जुड़े विषयों पर व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करें। अलग-अलग शैक्षणिक पृष्ठभूमि से आए युवाओं के लिए मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप सीखने, अनुभव प्राप्त करने और अपनी प्रतिभा को प्रदेश के विकास में उपयोग करने का महत्वपूर्ण मंच है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जिलों में कार्य के दौरान स्थानीय परिस्थितियों और लोगों की वास्तविक



मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप

CHIEF MINISTER SUASHASAN FELLOWSHIP

मुख्यमंत्री साय ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है।

मुख्यमंत्री ने सुनाई संघर्ष की कहानी

जीवन की प्रेरणा के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने बचपन और संघर्ष के दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि लगभग दस वर्ष की उम्र में पिता के आकस्मिक निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई थी। चार भाइयों में सबसे बड़े होने के कारण मां, दादी और छोटे भाइयों की देखभाल के साथ खेती-बाड़ी की जिम्मेदारी भी उन्हें संभालनी पड़ी। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने स्वयं बैलों से हल चलाने सहित खेती के विभिन्न कार्य किए। इन परिस्थितियों ने कम उम्र में ही उन्हें परिश्रम, जिम्मेदारी और कठिन परिस्थितियों का सामना करना सिखाया। उन्होंने कभी यह कल्पना भी नहीं की थी कि वे गांव के सरपंच बनेंगे। निर्विरोध सरपंच चुने जाने के बाद उन्हें विधायक, सांसद और केंद्रीय राज्यमंत्री के रूप में जनसेवा करने का अवसर मिला। जीवन में जो भी जिम्मेदारी मिली, उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाने का उन्होंने प्रयास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय श्री दिलीप सिंह जुड़े का धैर्य, सहजता और आत्मीय व्यवहार उनके लिए प्रेरणादायी रहा। जनता के बीच रहना, लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनना और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सदैव उपलब्ध रहना उनके सार्वजनिक जीवन का आधार रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो भी दायित्व मिले, उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएं। अपने कार्य के केंद्र में जनकल्याण को रखें। इससे मान-सम्मान और आत्मसंतुष्टि तो मिलती ही है, साथ ही प्रदेश, देश और समाज का भी भला होता है।

36 युवा फेलो समझेंगे शासन और योजनाओं का जमीनी क्रियान्वयन

इस अवसर पर सुशासन एवं अभिसरण विभाग तथा मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत ने मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि द्वितीय बैच में चयनित 36 युवा इंजीनियरिंग, विज्ञान, प्रबंधन, गणित, वाणिज्य और अर्थशास्त्र जैसे विविध विषयों की पृष्ठभूमि से आए हैं। इनमें कुछ प्रतिभागी अपने स्टार्टअप भी संचालित कर रहे हैं। दो वर्षीय फेलोशिप कार्यक्रम में कुल पांच माह का अध्ययन एवं प्रशिक्षण तथा 19 माह का मैदानी अनुभव शामिल है। प्रारंभिक तीन माह आईआईएम रायपुर में प्रशिक्षण के बाद प्रतिभागी जिला प्रशासन के साथ जुड़कर मैदानी अनुभव प्राप्त करेंगे।

स्वावलंबन, पुनर्वास और सामाजिक बदलाव की प्रेरक मिसाल

सहकारिता सचिव डॉ भूतानी ने की पुनर्वासित युवाओं द्वारा संचालित ‘कैफे पण्डुम’ की सराहना

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। भारत सरकार के सहकारिता सचिव डॉ. आशीष भूतानी सहित केंद्र सरकार और विभिन्न राज्यों से आए वरिष्ठ अधिकारियों ने जगदलपुर स्थित ‘कैफे पण्डुम’ का भ्रमण किया। हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटे पुनर्वासित युवाओं द्वारा संचालित यह कैफे बस्तर में स्वावलंबन, पुनर्वास और सामाजिक बदलाव की प्रेरक मिसाल बनाकर उभरा है।

कैफे के भ्रमण के दौरान बस्तर कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने अधिकारियों को कैफे की अवधारणा, संचालन और इससे जुड़े परिवारों की आजीविका बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह पहल मुख्यधारा में लौटे लोगों को सम्मानजनक जीवन जीने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान कर रही है। कैफे की व्यवस्थाओं, आत्मीय

उनका उत्साहवर्धन किया। राष्ट्रीय स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों से मिली सराहना से कैफे का संचालन कर रहे युवाओं में उत्साह देखा गया। यह पहल दर्शाती है कि पुनर्वास के साथ आजीविका के अवसर उपलब्ध कराकर लोगों को आत्मनिर्भर बनाने और समाज में सकारात्मक

बदलाव लाने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के सहकारिता सचिव डॉ. आशीष भूतानी सहित विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी जगदलपुर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय समीक्षा सम्मेलन ‘सहकार से समृद्धि’ में शामिल होने पहुंचे थे।

धमतरी में मखाना की खेती से किसानों की आय बढ़ाने की नई पहल

श्रीकंचनपथ समाचार



मखाना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में धमतरी जिले को तालाबों में मखाना की खेती (पॉन्ड कल्टीवेशन) के लिए 66 हेक्टेयर का भौतिक लक्ष्य मिला था। इसके विरुद्ध जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में 42 हेक्टेयर क्षेत्र में मखाना की खेती प्रारंभ की गई है। यह पहल जिले में कृषि विविधीकरण को बढ़ावा देने और किसानों को परंपरागत खेती के अतिरिक्त लाभकारी विकल्प उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जिले के ग्राम छाती और डांडेसरा में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा मखाना उत्पादन की पहल की गई है। शैलपुत्री स्व-सहायता समूह और नई किरण स्व-सहायता समूह के माध्यम से कुल 29 एकड़ क्षेत्र में उत्पादित मखाना की हार्वेस्टिंग की जा रही है। इससे महिला समूहों के लिए आजीविका के नए अवसर विकसित होने के साथ सामूहिक उद्यमिता को भी प्रोत्साहन मिल रहा है।

मखाना उत्पादन का हार्वेस्टिंग शुभारंभ कार्यक्रम 13 अक्टूबर 2026, मंगलवार को आयोजित

प्रमुख सचिव ने किया आईटीएमएस वाररूम का निरीक्षण

शहर के समग्र विकास और बेहतर प्रबंधन के लिए ठोस व प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने आज रायपुर के जयस्तंभ चौक स्थित मल्टी लेवल पार्किंग के तीसरे माले में संचालित इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) वार रूम का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बैठक लेकर शहर में यातायात प्रबंधन, महिला सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, अवैध निर्माण और खुदाई पर नियंत्रण तथा नागरिकों में नागरिक बोध (सिविक सेंस) विकसित करने से जुड़े विषयों की समीक्षा की। उन्होंने इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए समन्वित कार्ययोजना तैयार करने और विभागीय स्तर पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

श्री बोरा ने आईटीएमएस वार रूम में तकनीकी संसाधनों, निगरानी व्यवस्था और उपलब्ध आंकड़ों के उपयोग के विभिन्न

पहलुओं का निरीक्षण किया। उन्होंने आईटीएमएस वार रूम को सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस के रूप में विकसित करने शहरी प्रबंधन, विभागीय समन्वय और नागरिक सुविधाओं को अधिक प्रभावी बनाने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में शहर के प्रत्येक प्रमुख

दिशा में काम करना है। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस, क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) और नगर निगम की संयुक्त टीम बनाकर समन्वित प्रयास करने तथा जनजागरूकता गतिविधियों को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बैठक में शहर की स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा करते हुए प्रमुख मार्गों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों की नियमित साफ-सफाई तथा घर-घर कचरा संग्रहण को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने आईटीएमएस की निगरानी व्यवस्था के माध्यम से गंदगी वाले स्थलों की पहचान कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। शहर में स्वच्छता एवं सैनिटेशन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, सार्वजनिक स्थलों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने और कचरे के उचित प्रबंधन पर भी चर्चा की गई। व्यवस्थाओं की निगरानी, संबंधित विभागों के बीच समन्वय और नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने की जरूरत बताई।

मात्र 1 घंटे में

गंजेपन से मुक्ति

COMPLETE FAMILY SALON

हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

पहले बाद में



JATU'Z

CUT N SHINE

93009-11331

रंगोली वैगैस के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रॉनिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्गा (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P122

PH.: 0748-4060131





अनुप ट्रेडर्स

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता

लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

मो. 09826389666, 8839749539

●●●●

●●●●

●●●●

●●●●

●●●●

●●●●



वाणी कपूर की फिल्म सर्वगुण संपन्न का ऐलान ओटीटी पर दिखाएंगी बिलकुल नया अवतार

मंडला मर्डर्स (2025) की सफलता के बाद, वाणी कपूर एक बार फिर ओटीटी पर तहलका मचाने आ रही हैं। उनकी फिल्म सर्वगुण संपन्न का टीजर के साथ आधिकारिक ऐलान कर दिया गया है। इसका निर्देशन सोनाली रतन देशमुख ने किया है, जबकि निर्माता दिनेश विजान की कंपनी मैडॉक फिल्म्स है। बता दें, सर्वगुण संपन्न 2023 में बनकर तैयार हो गई थी, लेकिन किसी कारणवश रिलीज नहीं हो सकी। अब इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने का फैसला लिया गया है।

टीजर में वाणी सलवार-सूट और चश्मा पहनने वाली सीधी-साधी लड़की के किरदार में दिखती हैं। कहानी उन्हीं के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी शक्ल दुनिया की मशहूर एक एडल्ट फिल्म स्टार से मिलती है। ये किरदार उनकी पिछली सभी भूमिकाओं से अलग होने वाला है। इसके बाद कहानी में गलतफहमियों और मुश्किलों का दौर शुरू होता है। इशवाक सिंह और रघुवीर यादव भी फिल्म का हिस्सा हैं। इसका प्रीमियर जी5 पर होगा, लेकिन रिलीज तारीख का ऐलान होना अभी बाकी है। निर्देशक सोनाली 'सर्वगुण संपन्न' को लेकर कहती हैं...'फिल्म की शुरुआत किसी स्टार को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि एक वन-लाइनर आइडिया से हुई थी। 'शिद्दत' के बाद मैडॉक

फिल्म्स की क्रिएटिव हेड शारदा कार्की ने मुझे लेखक सुमित घिलडियाल के साथ तैयार की गई कहानी सुनाई, जिसमें मुझे अलग तरह की मानवीय कॉमेडी नजर आई। इसके बाद स्क्रिप्ट पर कई महीनों तक काम हुआ। कहानी को बार-बार लिखा गया ताकि हास्य परिस्थितियों से पैदा हो और भावनात्मक संतुलन भी बना रहे। वन-लाइनर सिर्फ दिशा देता है, असली फिल्म स्क्रीनप्ले में तैयार होती है।' सोनाली का कहना है कि 'फिल्म की बाहरी

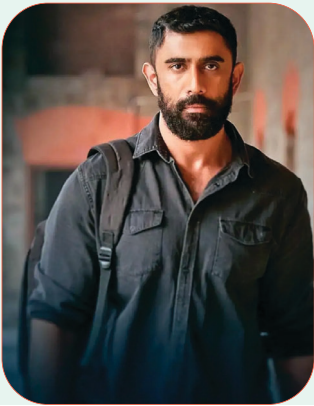
परत देखकर निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए। किसी एडल्ट स्टार से मिलती-जुलती शक्ल कहानी की सिर्फ शुरुआती वजह है, जबकि पूरी फिल्म एक छोटे शहर की लड़की की जिंदगी में आए बदलावों और पारिवारिक रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है।



अमित साध और ईशा देओल की फिल्म प्रताप का पहला पोस्टर जारी, रिलीज तारीख भी आई

प्रदीप रंगवानी और यूवी फिल्म्स ने अपनी आगामी थ्रिलर फिल्म प्रताप का दमदार फर्स्ट लुक जारी करने के साथ-साथ फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है। अमित साध अभिनीत यह फिल्म 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में अमित साध एक प्रभावशाली पुलिस अधिकारी के रूप में नजर आ रहे हैं। हाथ में बंदूक थामे उनका सख्त और तीखा अंदाज तुरंत ध्यान आकर्षित कर रहा है। इसी के साथ पोस्टर में दिखाई गई टूटी हुई दुनिया संघर्ष, खतरे और रहस्य से भरी कहानी की ओर इशारा करती है, जहां चीजें वैसी नहीं हैं जैसी पहली नजर में दिखाई देती हैं। पोस्टर पर लिखा दमदार टैगलाइन इस बार निशाना बाहर नहीं, भीतर है। फिल्म के रहस्य और रोमांच को और बढ़ा रहा है। सचिन सराफ द्वारा लिखित और निर्देशित प्रताप एक सम्मानित एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की कहानी है, जिसकी जिंदगी उस समय पूरी तरह बदल जाती है जब उसे उसी कानून का



सामना करना पड़ता है, जिसकी रक्षा और पालन वह वर्षों से करता आया है। यह दिलचस्प कहानी कर्तव्य, वफादारी और कानून तथा उसे लागू करने वालों के बीच के संघर्ष को एक रोमांचक थ्रिलर के रूप में प्रस्तुत करती है। अमित साध के साथ फिल्म में ईशा देओल, तिग्मांशु भूलिया, मिलिंद गुणाजी और सीमा बिस्वास जैसे शानदार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फर्स्ट लुक पोस्टर में फिल्म के प्रमुख किरदारों को टूटे हुए काच की आकर्षक विजुअल शैली के जरिए दिखाया गया है, जो फिल्म की जटिल और रहस्यमयी दुनिया की झलक तो देता है, लेकिन कहानी के कई राज अभी भी छिपाकर रखता है। अपने दिलचस्प कथानक, दमदार कलाकारों की टोली और प्रभावशाली फर्स्ट लुक के साथ प्रताप एक ऐसी रोमांचक थ्रिलर बनने का संकेत देती है, जहां जो व्यक्ति कभी अपने लक्ष्य का पीछा करता था, अब शायद खुद ही निशाना बन गया है।

गुलाबों से बना दिल और खूबसूरत सजावट, ऐसे मनाया श्वेता तिवारी की बेटी ने जन्मदिन

टीवी स्टार श्वेता तिवारी की बेटी और अभिनेत्री पलक तिवारी का 8 अक्टूबर को जन्मदिन था। अब शुक्रवार को पलक ने अपने बर्थडे सेलिब्रेशन की खास तस्वीरें शेयर की हैं। जानिए फोटोज में क्या है खास।

अभिनेत्री पलक तिवारी 8 अक्टूबर को जन्मदिन था। पलक ने अपना बर्थडे बेहद खास अंदाज में मनाया, जिसकी तस्वीरें भी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की हैं। जानिए पलक का बर्थडे कितना खास रहा। पलक ने अपना 26वां जन्मदिन काफी खास अंदाज में मनाया। उन्होंने बर्थडे की कई फोटोज फैंस के साथ शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस काफी खुश और खूबसूरत नजर आ रही हैं।

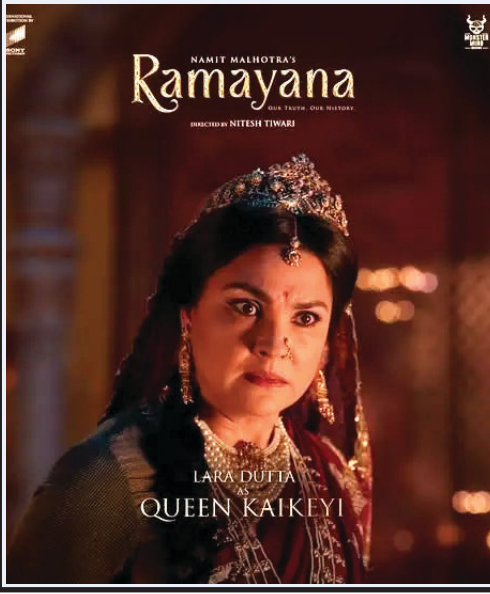
तस्वीरों में पलक एक खूबसूरत ड्रेस में दिखाई दे रही हैं और आसपास काफी सिंपल, लेकिन शानदार डेकोरेशन देखने को मिलता है। कभी पलक गुब्बारों के साथ फ्लैटो खिंचवाती नजर आ रही हैं, तो कभी एस्थेटिक सजावट के बीच। देखा जा सकता है कि बर्थडे घर में ही सादगीपूर्ण अंदाज में मनाया गया है। कुछ तस्वीरों में पलक ने सजावट को भी दिखाया है। गुब्बारों से सजी हुई दीवार, हार्टशेप में गुलाबों से बना बड़ा दिल, बर्थडे के

सेलिब्रेशन से सजा घर देखने में काफी प्यारा दिख रहा है। तस्वीरों को देखकर साफ है कि पलक ने अपना जन्मदिन परिवार और दोस्तों के साथ घर पर ही खूबसूरत अंदाज में मनाया है, जिसकी सजावट ने उनके खास दिन को और भी खास बना दिया है। पलक तिवारी ने फिल्म 'बिजली बिजली' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। वह सलमान खान के साथ 'किसी का भाई किसी की जान' में अभिनय किया है। आखिरी बार वह 'रोजो: द सैफरॉन चैप्टर' में नजर आई थीं।



फिल्म 'रामायण' से लारा दत्ता और शीबा चड्ढा के पोस्टर जारी, कैकेयी और मंथरा के रूप में दिखा दमदार अंदाज

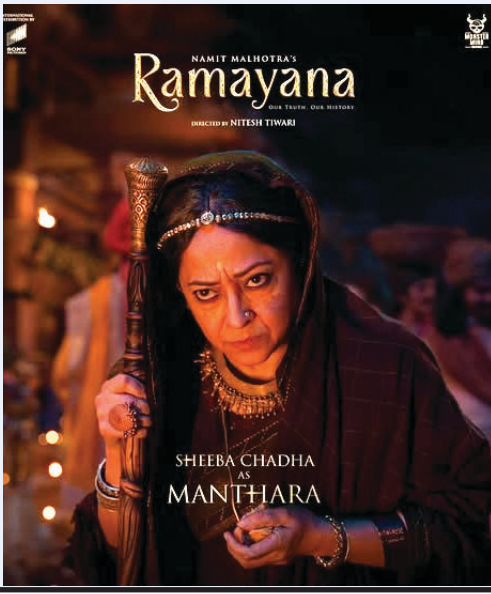
रणवीर कपूर अभिनीत बहुप्रतीक्षित पौराणिक महाकाव्य फिल्म 'रामायण' से अभिनेत्री लारा दत्ता और शीबा चड्ढा के नए पोस्टर जारी किए गए हैं। फिल्म में लारा दत्ता रानी कैकेयी और शीबा चड्ढा दासी मंथरा की भूमिका में नजर आएंगी। दोनों किरदारों की पहली झलक सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह बढ़ गया है। इससे पहले निर्माताओं ने अभिनेता अरुण गोविल का पोस्टर जारी किया था।



नमित मल्होत्रा द्वारा निर्मित और नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को दिवाली 2026 के अवसर पर दुनियाभर में प्रदर्शित करने की तैयारी है। फिल्म के अलग-अलग किरदारों के पोस्टर सामने आने के साथ ही इसे लेकर सामाजिक माध्यमों पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। जारी किए गए पहले पोस्टर में लारा दत्ता रानी कैकेयी के राजसी अवतार में दिखाई दे रही हैं। उनके चेहरे पर गंभीरता, दृढ़ता और आक्रोश के भाव नजर आते हैं। पारंपरिक वेशभूषा, शाही आभूषण और आकर्षक श्रृंगार उनके किरदार की गरिमा और प्रभाव को दर्शाते हैं। कैकेयी रामायण की कथा का एक महत्वपूर्ण पात्र हैं, जिनकी इच्छाओं और निर्णयों से भगवान राम के वनवास की घटनाएं जुड़ी हैं। दूसरे पोस्टर में शीबा चड्ढा दासी मंथरा के रूप में नजर आ रही हैं। उनके चेहरे के भाव और व्यक्तित्व का चित्रण रामायण की उस महत्वपूर्ण घटना की याद दिलाता है, जब मंथरा रानी कैकेयी को राजा दशरथ से दो वरदान मांगने के लिए प्रेरित करती हैं। कथा में मंथरा की भूमिका कैकेयी के निर्णय और राम के वनवास की घटनाओं को प्रभावित करने



वाली मानी जाती है। निर्माताओं ने पोस्टर साझा करते हुए कैकेयी और मंथरा के किरदारों के महत्व को रेखांकित किया। उनके अनुसार, एक रानी की इच्छाएं और दूसरी की कुटिल सलाह ऐसी घटनाओं को जन्म देती हैं, जो राम के जीवन की दिशा बदल देती हैं। 'रामायण' में रणवीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में साई पल्लवी सीता, यश रावण, रवि दुबे लक्ष्मण और सनी देओल हनुमान की भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा रकुल प्रीत सिंह सहित कई अन्य कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं। निर्माता नमित मल्होत्रा और निर्देशक नितेश तिवारी इस पौराणिक कथा को बड़े पर्दे पर भव्य रूप में प्रस्तुत करने की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म की दिवाली 2026 में दुनियाभर में प्रदर्शित होने की योजना है। अब दर्शकों को फिल्म के अन्य किरदारों की झलक और आगामी प्रचार सामग्री का इंतजार है।



ट्रैवल फोटोग्राफी के लिए बेहतरीन हैं ये पांच टिप्स, बनेंगे अच्छे फोटोग्राफर

ट्रैवल फोटोग्राफी एक ऐसा क्षेत्र है, जहां आपको नए अनुभव और यादगार पल कैद करने का मौका मिलता है। अगर आप इस क्षेत्र में नए हैं तो आपके लिए कुछ खास सुझाव काफी मददगार साबित हो सकते हैं। इस लेख में हम आपको ट्रैवल फोटोग्राफी के लिए जरूरी 5 टिप्स देंगे, जो आपके फोटोग्राफी कौशल को निखारने में मदद करेंगे और आपकी तस्वीरों को और भी आकर्षक बनाएंगे।

कैमरे को समझें

अपने कैमरे को अच्छी तरह से समझना बहुत जरूरी है। इसके लिए आपको अपने कैमरे की सेटिंग्स, लेंस और फीचर्स के बारे में जानना होगा। अगर आपका कैमरा डिजिटल है तो उसकी मैनुअल पढ़ें और अलग-अलग मोड्स को आजमाएं। इससे

आपको पता चलेगा कि कौन सी सेटिंग्स कब इस्तेमाल करनी चाहिए। इसके अलावा अपने कैमरे की बैटरी और मेमोरी कार्ड की स्थिति का भी ध्यान रखें ताकि यात्रा के दौरान कोई दिक्कत न हो।

प्राकृतिक रोशनी का उपयोग करें

ट्रैवल फोटोग्राफी में प्राकृतिक रोशनी का बहुत महत्व होता है। सुबह और शाम की रोशनी सबसे अच्छी होती है, जिसे गोल्डन आवर कहा जाता है। इस समय सूरज की रोशनी नरम होती है और आपकी तस्वीरों में एक खास चमक आती है। दिन के मध्य में तेज धूप से बचें और छायाओं का ध्यान रखें। अगर मौसम बदल वाला है तो भी यह समय फोटोग्राफी के लिए अच्छा हो सकता है।

फ्रेमिंग पर ध्यान दें

तस्वीरों को बेहतर बनाने के लिए फ्रेमिंग बहुत जरूरी होती है। हमेशा ध्यान रखें कि आपका मुख्य विषय तस्वीर के केंद्र में हो और उसके चारों ओर का माहौल उसे सपोर्ट

करे। इसके लिए आप रूल ऑफ थर्ड्स का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें तस्वीर को 3 बराबर हिस्सों में बांटा जाता है और मुख्य विषय को इन लाइनों पर रखा जाता है। इससे आपकी तस्वीरें और भी आकर्षक और संतुलित लगेंगी।

सही एंगल चुनें

हर जगह का अपना एक खास एंगल होता है, जिसे खोजने में थोड़ा समय लग सकता है। कोशिश करें कि आप अलग-अलग एंगल से तस्वीरें लें ताकि हर जगह का एक अनोखा नज़रिया सामने आ सके। कभी-कभी एक छोटा सा बदलाव भी आपकी तस्वीर को खास बना सकता है। इसके अलावा आप ऊंचाई, नीचाई या किनारे से भी तस्वीरें ले सकते हैं। इससे आपकी ट्रैवल फोटोग्राफी और भी रोचक और यादगार बन जाएगी।

संपादन का महत्व समझें

फोटोग्राफी सिर्फ क्लिक करने तक सीमित नहीं होती बल्कि तस्वीरों को और बेहतर बनाने के लिए संपादन भी जरूरी होता है।

संपादन तस्वीरों को संपादित करने के लिए फोटो सॉफ्टवेयर का उपयोग करें। इससे आप अपनी तस्वीरों को और भी आकर्षक बना सकते हैं। रंग सुधारें, कंट्रास्ट बढ़ाएं और जरूरत पड़ने पर क्रॉप करें।

इन 5 सरल लेकिन असरदार सुझावों की मदद से आप अपनी ट्रैवल फोटोग्राफी कौशल को निखार सकते हैं और बेहतरीन तस्वीरें बना सकते हैं।

खास-खबर

कला और कल्पनाशीलता से युवाओं ने दिया वन्यजीव संरक्षण का संदेश



रायपुर। वन्यजीव संरक्षण का संदेश देने वाली युवा प्रतिभाओं को गुरुवार को नवा रायपुर स्थित अरण्य भवन के दंडकारण्य सभागार में पुरस्कृत किया गया। वन्यजीव सप्ताह के समापन अवसर पर आयोजित समारोह में कला और ज्ञान आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग तथा रायपुर वनमंडल द्वारा कलिंगा विश्वविद्यालय के हरित समूह एवं प्राणीशास्त्र विभाग के सहयोग से 2 से 8 अक्टूबर तक वन्यजीव सप्ताह मनाया गया। 'जुड़ते प्राकृतिक आवास, फलते-फूलते वन्यजीव' की थीम पर आयोजित इस सप्ताह के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों के जरिए प्रकृति और जैव विविधता संरक्षण का महत्व समझा। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख अरुण कुमार पाण्डेय व अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सप्ताहभर चले आयोजनों में कागज की आकृतियां और घोंसलों के प्रतिरूप बनाने, बीजगोलक (सीड बॉल) निर्माण, वन्यजीव छायाचित्रण तथा प्रकृति भ्रमण जैसी गतिविधियों में विद्यार्थियों ने भाग लिया।

जन्मजात हृदय रोग पीड़ित सात बच्चों को मिलेगा निःशुल्क उपचार की सुविधा

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने और गंभीर बीमारियों का समय पर उपचार सुनिश्चित करने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के अंतर्गत स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित पाए गए सात बच्चों को उपचार के लिए श्री बालाजी हॉस्पिटल, रायपुर भेजा गया है। इन सभी बच्चों का आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से निःशुल्क उपचार किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अनिल कुमार जगत ने बताया कि चिरायु टीम द्वारा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। इसी दौरान तमनार विकासखंड से तीन, घघोड़ा से दो, धरमजयगढ़ से एक तथा पुसौर से एक बच्चे में जन्मजात हृदय रोग की पहचान की गई। समय पर बीमारी की पहचान होने के बाद इन बच्चों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए उच्च स्वास्थ्य संस्थान रायपुर भेजने की व्यवस्था की गई। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में जन्मजात बीमारियों सहित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान कर उन्हें समय पर उचित उपचार उपलब्ध कराना है। इस पहल से जरूरतमंद बच्चों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी।

युवाओं के नवाचार को मिलेगा बड़ा मंच, सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज 2026 में जीतने का अवसर

नवाचारी विचारों को मिलेगी नई पहचान, 10 क्षेत्रों में चुने जाएंगे 50 विजेता, प्रत्येक को मिलेगा 10 लाख रुपए का पुरस्कार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा से राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत युवाओं की रचनात्मक प्रतिभा, नवाचारी सोच और नए विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए 'सेवा फर्स्ट' इनोवेशन चैलेंज 2026' प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ ही उनके नवाचारी विचारों को पहचान दिलाने और उन्हें उपयोगी समाधान के रूप में विकसित करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी।

प्रतियोगिता के अंतर्गत 10 विभिन्न क्षेत्रों में नवाचारी विचार आमंत्रित किए जा रहे हैं। प्रत्येक क्षेत्र से 5 विजेताओं का चयन कर कुल 50 प्रतिभागियों को 10-10 लाख रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इस प्रकार प्रतियोगिता के लिए कुल 5 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक युवा एवं विद्यार्थी 17 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन पंजीयन करा सकते हैं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत युवाओं को नवाचार एवं रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने तथा प्रतियोगिता में अधिकाधिक



भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र तथा शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आज गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गौरेला में जागरूकता एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं प्रशिक्षणार्थियों को प्रतियोगिता के उद्देश्य, भागीदारी की प्रक्रिया, ऑनलाइन पंजीयन तथा नवाचारी विचार प्रस्तुत करने के अवसरों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।

उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने आसपास की समस्याओं को पहचानें और उनके व्यावहारिक समाधान के लिए नए विचार विकसित करें। नवाचार केवल नई तकनीक विकसित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि दैनिक जीवन, उद्योग, रोजगार और जनसुविधाओं को बेहतर बनाने

वाले उपयोगी विचार भी नवाचार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने युवाओं में प्रतिभा और रचनात्मक क्षमता की कोई कमी नहीं है। ऐसे आयोजन उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाने और आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रतियोगिता का अधिकाधिक लाभ उठाने तथा अपने नए विचारों के माध्यम से जिले का नाम रोशन करने का आह्वान किया। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के प्रबंधक सुनील पाण्डेय ने प्रतियोगिता के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 'सेवा फर्स्ट' इनोवेशन चैलेंज 2026' के अंतर्गत 10 अलग-

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकेश रावटे ने विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मक क्षमता और नवाचारी सोच का उपयोग करते हुए प्रतियोगिता में अधिक से अधिक भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के युवा नई सोच, तकनीकी दक्षता और रचनात्मक विचारों के माध्यम से समाज की विभिन्न समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करने की क्षमता रखते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए उचित अवसर और मंच उपलब्ध हो।

अलग क्षेत्रों से नवीन, रचनात्मक एवं उपयोगी विचार आमंत्रित किए जा रहे हैं। प्रत्येक क्षेत्र में श्रेष्ठ पांच नवाचारी विचारों का चयन किया जाएगा। इस प्रकार कुल 50 विजेताओं को 10-10 लाख रुपए के पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में नवाचार की भावना को बढ़ावा देना, उनकी रचनात्मक क्षमताओं को प्रोत्साहित करना तथा ऐसे विचारों को सामने लाना है।

जूडो सिखाता है साहस, आत्मसंयम और अनुशासन का पाठ: राज्यपाल

राज्यपाल ने किया 26वीं राज्य स्तरीय सब-जूनियर एवं कैडेट जूडो चैंपियनशिप का शुभारंभ



प्रतिद्वंद्वी का सम्मान करना, जीत में विनम्र रहना और हार से सीखकर आगे बढ़ना सिखाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से बड़े लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज राज्य स्तर पर प्रतिभा दिखाने वाले खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय

प्रतियोगिताओं सहित एशियाई खेलों और ओलंपिक में भी देश का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। अस्पृक्षता से निराश होने के बजाय उससे सीखकर आगे बढ़ना ही सच्चे खिलाड़ी की पहचान है।

समारोह में राज्यपाल श्री डेका ने जूडो में

खिलाड़ियों की उपलब्धियां अन्य युवा प्रतिभाओं के लिए प्रेरणास्रोत

राज्यपाल ने कोडगांव जिले की जूडो खिलाड़ियों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि योगिता मंडावी को उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हेमवती नाग ने खेले इंडिया नेशनल गेम्स और ओपन नेशनल प्रतियोगिता में पदक हासिल किए हैं। वहीं रंजीता कोरेटी ने ताइवान में आयोजित एशियन कैडेट जूडो चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों की उपलब्धियां अन्य युवा प्रतिभाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले हेमवती नाग, अभिषेक जायसवाल, कुमारी शारदा गोस्वामी और योगिता मंडावी को सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों की मेहनत और उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के प्रयास निरंतर जारी रखने की अपेक्षा को राज्यपाल डेका ने कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों की खेल प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराना जरूरी है। उन्होंने

छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ से खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के प्रयास निरंतर जारी रखने की अपेक्षा की। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को खेल भावना और अनुशासन के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में कलेक्टर बिलासपुर संजय अग्रवाल, छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी, महासचिव शम्भू सोनी, बिलासपुर जिला जूडो संघ के अध्यक्ष शैलेन्द्र शुक्ला, सहित खेल संघ के पदाधिकारी, प्रशिक्षक एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित थे।

सिटीजन को कस्टमर भी माने, जवाबदेही से करें व्यवहार: सोनमणि बोरा

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने आज रायपुर नगर निगम के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने रायपुर के सविल लाइन स्थित नवीन विश्राम भवन में आयोजित बैठक में रायपुर में इज ऑफ लीविंग और नागरिक-केन्द्रित प्रशासन पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सिटीजन को कस्टमर भी मानें और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता एवं जवाबदेही से पूर्ण करें। नगरीय प्रशासन विभाग के संचालक नीलेश क्षीरसागर, सूझा के सीईओ सुमीत अग्रवाल और रायपुर नगर निगम के आयुक्त संवित मिश्रा भी समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

प्रमुख सचिव बोरा ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के कार्यों में गोलमोल जवाब पर अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि गरीबों के आवास में गुणवत्ताहीन काम और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके कार्यों में कोताही न बरतें। उन्होंने शहर में साफ-सफाई की कमजोर व्यवस्था पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने निगम के

अधिकारियों को शहर में गंदगी की तस्वीरें दिखाकर सफाई की सुदृढ़ और प्रभावी व्यवस्था बनाने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने काम में लापरवाही पर दो अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने समीक्षा बैठक में केंद्र प्रवर्तित प्लेगशिप योजनाओं की प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते हुए अफसरों को कड़ी पकड़ा लगाई। उन्होंने जोन आयुक्तों एवं अभियंताओं को आड़े हाथों लेते हुए कार्यों में प्रगति तथा सुधार लाने की नसीहत दी। अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर उन्होंने अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने जोन कमिश्नरों, उपायुक्तों एवं अपर आयुक्तों को भी प्रतिदिन मॉनिंग विजिट

करने के निर्देश दिए। उन्होंने मॉनिंग विजिट की रिपोर्ट रूप में साझा करने के भी निर्देश दिए।

श्री बोरा ने रायपुर नगर निगम में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली को लेकर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति अफसरों की लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि इन सेवाओं की निगरानी तथा मॉनिटरिंग सीसीटीवी कैमरे लगाकर की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के क्रियान्वयन में इतनी ढिलाई किसी भी स्थिति में सही नहीं है। उन्होंने कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि इन परियोजनाओं की मॉनिटरिंग एवं क्रियान्वयन की मुख्यालय स्तर पर निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि जोन

स्तर पर जोन आयुक्तों तथा अभियंताओं के कार्यों को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने के लिए वे आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव बोरा द्वारा जोन-8 की जोन आयुक्त राजेश्वरी पटेल से पीएम आवास योजना के संबंध में सवाल पूछने पर वे कोई जवाब नहीं दे पाई। जिस पर प्रमुख सचिव खासे नाराज दिखे और कहा कि यदि जोन आयुक्त को ही योजना की जानकारी नहीं है तो योजना की प्रगति का अंदाजा में लगा सकता हूं। प्रमुख सचिव ने जेम पोटल में निविदाओं में विलंब पर रायपुर नगर निगम के प्रभारी कार्यपालन अभियंता श्री योगेश कडू को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरोत्थान योजना के कार्यों में धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधीक्षण अभियंता इमरान खान को भी कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव बोरा ने बैठक में कहा कि नगरीय प्रशासन विभाग को नागरिकों को उपभोक्ता की तरह मानना चाहिए। जिस प्रकार एक ग्राहक अपने दुकानदार से ये अपेक्षा रखता है कि वो उसे सही समय पर सही सामग्री उपलब्ध कराएगा।

बस्तर की लोक-संस्कृति ने मोहा देशभर से आए अधिकारियों का मन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर के प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध जनजातीय संस्कृति ने राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन में शामिल होने आए देशभर के वरिष्ठ अधिकारियों को खासा प्रभावित किया। जगदलपुर में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन के समापन के बाद विभिन्न राज्यों से आए अधिकारियों और विशेषज्ञों ने विश्वप्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात का भ्रमण किया। इंद्रावती नदी की मनोरम जलधारा और पारंपरिक लोकनृत्य ने अतिथियों का मन मोह लिया।

चित्रकोट पहुंचने पर स्थानीय जनजातीय कलाकारों ने पारंपरिक गौर नृत्य से अधिकारियों का आत्मीय स्वागत किया। गौर साँगों से



सुसज्जित मुकुट और कौड़ियों की मालाएं पहने कलाकारों ने मांदर और ढोल की थाप पर आकर्षक प्रस्तुति दी। अधिकारियों ने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया और बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को अपने कैमरों में सहेजा। अधिकारियों ने चित्रकोट जलप्रपात के विभिन्न व्यू-पॉइंट्स से प्राकृतिक दृश्यों का

आनंद लिया। उन्होंने बस्तर की लोक-कला, जनजातीय परंपराओं और प्राकृतिक संपदा की सराहना की। इस दौरान स्थानीय वनोपज और इको-टूरिज्म को सहकारिता के माध्यम से राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने बस्तर के आतिथ्य और प्राकृतिक सौंदर्य की प्रशंसा करते हुए भ्रमण को यादगार बताया।

इस अवसर पर भारत सरकार के सहकारिता सचिव डॉ. आशीष भूटानी, छत्तीसगढ़ शासन के सहकारिता सचिव सी. आर. प्रसन्ना, संभागयुक्त डोमन सिंह, सहकारी संस्थाओं के पंजीयक रमेश शर्मा, कलेक्टर आकाश छिकारा सहित केंद्र एवं विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी और सहकारी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

ग्राम टिनमिनी में आयुष चिकित्सा शिविर आयोजित

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुसौर विकासखंड के ग्राम टिनमिनी में आयुर्वेद एवं होम्योपैथी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निदेशानुसार तथा जिला आयुष अधिकारी डॉ. मोरा भगत के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में कुल 490 ग्रामीणों का उपचार किया गया। इनमें 425 मरीजों का आयुर्वेद पद्धति से तथा 65 मरीजों का होम्योपैथी पद्धति से उपचार किया गया। शिविर में संधिवात, आमवात, चर्मरोग, ज्वर, खांसी, श्वास संबंधी समस्याओं, प्रतिश्याय, उदर रोग, कमजोरी, अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, अर्श एवं स्त्री रोगों से संबंधित मरीज पहुंचे।

SAIRAM
Mobile Accessories

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है

7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्वेक्स एवं ग्रहल्ल उपलब्ध यहां

उचित व्याज दर पर धरित्री रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

CAR DECOR

House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories

**Shop No.3 Nafish Tower,
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai**

Mo.9300771925, 0788-4030919

K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE

Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 22964330

Jaquar Roca **Paryware** **AJAY FLOWLINE**

Shri Vijay Enterprises

**Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.**

Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

यूट्यूबर ने चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यालय में महिला को पीटा

दुर्ग। दुर्ग में चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यालय के अंदर यूट्यूबर हनु नायक ने महिला से मारपीट की है। पीड़िता की 14–15 साल की बेटी नेहरू नगर चौक पर कारों के शीशे साफ करती मिली थी। कर्मचारियों ने बच्ची को संरक्षण में लेकर उसकी मां को कार्यालय बुलाया था। बच्ची के स्कूल नहीं जाने को लेकर बातचीत के दौरान विवाद होने का आरोप है। चाइल्ड हेल्पलाइन की काउंसलर ममता साहू और परियोजना समन्वयक चंद्रप्रकाश पटेल ने यूट्यूबर हनु नायक पर महिला को थप्पड़ मारने, लात मारने, गाली–गलौज करने और गांजा रखकर फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया है। चाइल्ड हेल्पलाइन प्रबंधन ने थाने में शिकायत देकर एफआरआर दर्ज करने की मांग की है। एएसपी शोभराज अग्रवाल ने शिकायत मिलने की पुष्टि की है। पुलिस जांच के बाद ही पूरे घटनाक्रम की स्थिति स्पष्ट होगी। यह घटना पचनाभपुर थाना क्षेत्र की है।

कार-ट्रेक्टर की टक्कर से पुलिसकर्मी की मौत

रायपुर। रायपुर के खरोरा इलाके में देर रात कार और ट्रैक्टर की जोरदार टक्कर हो पाई। हादसे में पुलिसकर्मी समेत 2 लोगों की मौत हो गई। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में एडमिट किया गया है। हादसे के बाद ट्रैक्टर ड्राइवर भाग निकला। कार में पुलिसकर्मी कमलेश वर्मा, रूपेश निषाद और गोपी सवार थे। तीनों तरा गांव के रहने वाले थे और खरोरा से रायपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बंगोली गांव के पास उनकी कार ट्रैक्टर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार सवार कमलेश वर्मा और रूपेश निषाद की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, गोपी गंभीर रूप से घायल हो गया और कार में फंसा रहा। उसे लक्ष्मीनारायण अस्पताल, दौंदेकला में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। खरोरा थाना पुलिस ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाला पुलिसकर्मी सिलतरा थाने में पदस्थ था। मामले में मर्ग कायम कर लिया गया है। दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है। फरार चालक की तलाश की जा रही है।

3 साल की बच्ची से दुष्कर्म का आरोप, पुलिस ने पकड़ा



रायपुर। रायपुर के टाटीबंध इलाके में साढ़े तीन साल से भी कम उम्र की बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बच्ची के परिवारों की शिकायत पर पुलिस ने पड़ोस में रहने वाले आरोपी परमानंद ध्रुव (35) को गिरफ्तार किया है। आरोपी रायपुर एम्स में सिक्योरिटी गार्ड है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। मामला अमानाका थाना क्षेत्र का है। बच्ची की उम्र 3 साल 3 महीने है। परिजनों ने 9 अक्टूबर 2026 को अमानाका थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि बच्ची अपने पड़ोस में रहने वाले परमानंद ध्रुव के घर खेलने गई थी। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। डीसीपी वेस्ट रॉबिन्सन गुरिया, एडीसीपी राहुल देव शर्मा और एसीपी देवांश राठौर के निर्देशन में अमानाका थाना प्रभारी सुधांशु बघेल और उनकी टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी परमानन्द ध्रुव टाटीबंध के पास का रहने वाला है। पुलिस ने उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 65(2) और पॉक्सो एक्ट की धारा 4 व 6 के तहत मामला दर्ज किया है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

ढाबे में बेचने ले जा रहा था शराब, रास्ते में पकड़ा गया

पाली। दीपका-पाली रोड पर चोकपारा नुनरा स्थित रंगीला पंजाब ढाबा में अवैध रूप से शराब बेचा जाता है। उक्त मार्ग पर आवाजाही करने वाले मालवाहकों के चालक वाहनों को रोककर वहां अधिक कीमत पर शराब खरीदते हैं। शुक्रवार को उक्त ढाबे का संचालक मानभेन्द्र उर्फ मनैन्दर सिंह (28) बाइक में पाली क्षेत्र पहुंचा था। वहां शराब दुकान से 40 पाव शराब और एक गांव से 2 जरीकेन में 10 लीटर महुआ शराब बैग में भरकर ढाबा के लिए रवाना हुआ। इस दौरान एक व्यक्ति ने उसे पहचान लिया और पाली पुलिस को उसके बारे में सूचना दी। पुलिस ने कटघोरा-बिलासपुर हाईवे पर रंगोले चौक के पास घेराबंदी कर उसे अवैध शराब ले जाते पकड़ लिया।

खनिज के अवैध परिवहन पर सख्ती रेत और मुरुम से भरे 9 ट्रैक्टर जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

जीपीएम। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। विष्णु के सुशासन की अवधारणा के अनुरूप जिले में खनिज संपदा के संरक्षण और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए निगरानी एवं जांच अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में कलेक्टर विजय दयाराम के. के निर्देशानुसार जिला खनिज उद्घाटन दल ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए रेत एवं मुरुम के अवैध परिवहन में संलिप्त पाए गए 9 ट्रैक्टर वाहनों को जब्त किया है। जब्त वाहनों को संबंधित पुलिस थाना, चौकी एवं नगर सैनिक लाइन में सुरक्षार्थ रखा गया है। सभी वाहन मालिकों के विरुद्ध खनिज अधिनियम के प्रावधानों के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

जिला खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अवैध खनिज परिवहन की रोकथाम के लिए उद्घनदस्ता दल द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में जांच एवं कार्रवाई की गई। इस दौरान मरवाही क्षेत्र के चीचगोहना, मड़वाही, कुम्हारी एवं मरिहीघाट में अवैध परिवहन करते पाए गए रेत से भरे 5 तथा मुरुम से भरे एक ट्रैक्टर सहित कुल 6 वाहनों को जब्त किया गया। इन सभी वाहनों को सुरक्षार्थ थाना मरवाही में रखा



गया है। इसी प्रकार अमेराटिकरा एवं मौहारिटिकरा क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए एक-एक ट्रैक्टर वाहन जब्त किया गया, जिन्हें पुलिस चौकी कोटमी में सुरक्षार्थ रखा गया है। इसके अतिरिक्त खंता-लालपुर क्षेत्र से रेत से भरे एक ट्रैक्टर वाहन को जब्त कर नगर सैनिक लाइन में सुरक्षार्थ रखा गया है। इस प्रकार विभिन्न स्थानों पर की गई कार्रवाई में कुल 9 ट्रैक्टर वाहन जब्त किए गए हैं।

खनिज विभाग द्वारा जब्त सभी वाहनों के मालिकों के विरुद्ध खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है। विभागीय जानकारी के अनुसार संबंधित वाहन मालिकों द्वारा नियमानुसार निर्धारित अर्थदंड अथवा समझौता राशि संबंधित खनिज मद में जमा कराए जाने तथा आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी होने के

उपरांत ही वाहनों को मुक्त किया जाएगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के मामलों में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए जांच एवं निगरानी का क्रम निरंतर जारी रहेगा।

खनिज संपदा के संरक्षण के लिए सतत निगरानी के निर्देश

कलेक्टर विजय दयाराम के. ने खनिज विभाग के अधिकारियों को जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि खनिज नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए नियमित जांच की जाए तथा नियमों के उल्लंघन के मामलों में

नशीली टेबलेट-सिरप नष्ट की गई, गांजा भी जलाया अफसरों की निगरानी में हुई पूरी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। पुलिस की कार्रवाई के बाद जिले में एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज विभिन्न मामलों में जब्त नशीले पदार्थों को गुरुवार सुबह नष्ट किया गया। मोहतराई स्थित सुधा बायो पावर प्राइवेट लिमिटेड की फर्नस में 61 प्रकरणों में जब्त 3 क्विंटल गांजा आग के हवाले किया गया। वहीं, 21 हजार से ज्यादा नशीली टेबलेट और सिरप पर रोलर चलाकर विधिवत नष्ट कराया गया।

यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ शासन के निर्देश पर गठित जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल समिति के अध्यक्ष एसएसपी रजनेश सिंह की मौजूदगी और निर्देशन में पूरी हुई। पुलिस का मुख्य उद्देश्य



जब्त मादक पदार्थों के दोबारा दुरुपयोग की आशंका को पूरी तरह खत्म करना है।

कार्रवाई के दौरान 302.642 किलो गांजा, 9.38 ग्राम चरस और 2.9 ग्राम ब्राउन शुगर जलाया गया। इसके अलावा मेडिकल नशे में इस्तेमाल होने वाले 9,641 नग इंजेक्शन, 11,610 नशीली गोлияयां, 1,989 कफ सिरप की शीशियां

और 248 कैप्सूल नष्ट किए गए।

कार्रवाई के दौरान समिति सदस्य व एएसपी (सिटी) पंकज कुमार पटेल, सहायक आबकारी आयुक्त नवनीत तिवारी और क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। एसएसपी ने कहा कि नशे के अवैध नेटवर्क के खिलाफ पुलिस का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

सट्टा पैनल चलाने वाला मास्टरमाइंड नितिन मोटवानी गिरफ्तार

कार में चला रहे थे सट्टा, पहले 6 पकड़े गए थे 9 महीने बाद मुख्य आरोपी भी अरेस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ऑनलाइन बेटिंग साइट jmdbet777.com के जरिए सट्टा चलाने के मामले में फरार मुख्य आरोपी नितिन मोटवानी (45) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले 9 महीने से फरार था। पुलिस ने उसके पास से मामले से जुड़े 2 मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी ऑनलाइन बेटिंग साइट की आईडी लेकर सट्टा पैनल चला रहा था। मामले में उसकी तलाश की जा रही थी। अब गिरफ्तारी के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

कारों में चल रहा था ऑनलाइन सट्टा

पुलिस के मुताबिक, गंज थाना क्षेत्र के नागोराव गली अंडरब्रिज के पास कारपहिंया वाहनों में ऑनलाइन सट्टा संचालित किए जाने का मामला सामने आया था।

एंटो क्राइम एंड साइबर यूनिट



और गंज थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए 6 सटोरियों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने उनके कब्जे से 37.50 लाख रुपए नकद, करीब 5 लाख रुपए कीमत के 10 मोबाइल फोन और 3 कारें जब्त की थीं।

जब्त वाहनों में 40 लाख रुपए कीमत की दो महिंद्रा थार और 10 लाख रुपए कीमत की एक नेक्सा XL6 शामिल थी। पुलिस ने सभी सामान की कुल कीमत करीब 92.50 लाख रुपए आंकी थी। गिरफ्तार आरोपियों में

रखब देव पाहुजा, पीयूष जैन, जितेन्द्र कुमार कुपलानी उर्फ जिन्नु, दीपक अग्रवाल, कमल राघवानी और सचिन जैन शामिल थे। गिरफ्तार आरोपियों में रखब देव पाहुजा, पीयूष जैन, जितेन्द्र कुमार कुपलानी उर्फजिन्नु, दीपक अग्रवाल, कमल राघवानी और सचिन जैन शामिल थे।

इस मामले में गंज थाने में अपराध क्रमांक 30/26 के तहत छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 7 और भारतीय न्याय संहिता की

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में शुक्रवार को तेज रफ्तार स्कूटी ने सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बुजुर्ग सिर के बल सड़क पर गिर गया। हादसे में घायल बुजुर्ग ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

वहीं, घटना के बाद स्कूटी सवार दोनों लोग मौके से भाग गए। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें स्कूटी की टक्कर से बुजुर्ग दूर गिरते नजर आ रहे हैं। फिलहाल, पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, नूतन चौक स्थित अटल आवास में रहने वाला धांधू कुर्मी (65) शुक्रवार दोपहर करीब

सट्टा पैनल चलाने वाला मास्टरमाइंड नितिन मोटवानी गिरफ्तार

कार में चला रहे थे सट्टा, पहले 6 पकड़े गए थे 9 महीने बाद मुख्य आरोपी भी अरेस्ट

धारा 112(2) में केस दर्ज किया गया था।

रायपुर में मौजूदगी की सूचना पर गिरफ्तारी

कार्रवाई के बाद ऑनलाइन बेटिंग साइट jmdbet777.com का पैनल चलाने वाला मुख्य आरोपी नितिन मोटवानी फरार हो गया था। पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी। इसी दौरान जांच टीम को उसके रायपुर में मौजूद होने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस ने पतासाजी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपी ने ऑनलाइन बेटिंग साइट के पैनल का संचालन करना स्वीकार किया। पुलिस ने उसके पास से मामले से जुड़े 2 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। आरोपी नितिन मोटवानी, बीजू मोटवानी का बेटा है और रायपुर के खम्हारडीह थाना क्षेत्र स्थित पाल्म बैलाजियो के सी-304 में रहता है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

प्रभावी वैधानिक कार्रवाई की जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अवैध खनिज परिवहन से संबंधित मामलों में आवश्यक जांच और कार्रवाई समयबद्ध ढंग से पूरी की जाए। उन्होंने खनिज संपदा के संरक्षण के साथ ही शासन के निर्धारित नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया है।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का गंभीरता से परीक्षण और गुणवत्तापूर्ण निराकरण

कलेक्टर विजय दयाराम के. ने विशेष रूप से सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के गंभीरता से लेने और उनका गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण से संबंधित शिकायतों की तथ्यात्मक जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए। शिकायतों के निराकरण में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुशासन की प्रार्थमिकताओं के अनुरूप जिला प्रशासन खनिज संपदा के संरक्षण, नियमों के प्रभावी पालन और अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए निरंतर प्रयासरत है। जिले में खनिज उद्घनदस्ता दल द्वारा जांच एवं कार्रवाई का सिलसिला जारी है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि खनिज नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अतिक्रमण के खिलाफ एनएचएआई की सख्त कार्रवाई, तेलीबांधा में अवैध एंट्री बंद

सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने पर जोर



श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा अतिक्रमण एवं अनधिकृत प्रवेश मार्गों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में रिंग रोड नंबर-1 पर तेलीबांधा स्थित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के पास की अवैध एंट्री को बंद कर दिया गया है। वहीं, रिंग रोड के भाठागांव क्षेत्र में भी अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई जारी है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों ने सार्वजनिक सड़कों को सुरक्षित और सुगम बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर अनधिकृत अतिक्रमण और प्रवेश मार्गों को हटाने की कार्रवाई लागू नियमों एवं सक्षम न्यायालयों के संबंधित निर्देशों के अनुरूप की जाती है।

इस संबंध में एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी आलोक कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना और

यातायात को सुगम बनाए रखना एनएचएआई की प्राथमिकता है। अनधिकृत प्रवेश मार्गों और अतिक्रमण के कारण सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय राजमार्गों पर अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। हमारा प्रयास है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात सुरक्षित, व्यवस्थित और निर्बाध रहे। राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क की स्थिति बेहतर बनाए रखने और वाहन चालकों की सुरक्षित एवं सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए एनएचएआई द्वारा पैचवर्क रियेरिंग का कार्य लगातार कराया जा रहा है। एनएचएआई द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गों पर अतिक्रमण हटाने, अनधिकृत प्रवेश मार्गों पर नियंत्रण रखने तथा अवैध पार्किंग की समस्या के निराकरण के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। नागरिकों एवं वाहन चालकों के अपील है कि वे अनधिकृत कट, अवैध पार्किंग और प्रवेश मार्गों का उपयोग करने से बचें तथा सुरक्षित एवं सुगम व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

बिलासपुर में स्कूटी की टक्कर से बुजुर्ग की मौत



पौने 2 बजे आँटो से नूतन चौक पहुंचा था। आँटो से उतरने के बाद वह सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही स्कूटी ने उसे टक्कर मार दी।

टक्कर लगने से बुजुर्ग घसीटते हुए सिर के बल सड़क पर गिर गया। हादसे में वह बुरी तरह घायल हो गया।

इलाज के दौरान अस्पताल में तोड़ा दम

हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। आसपास के लोगों

से पूछताछ की, लेकिन स्कूटी की पहचान नहीं हो पाई है। टीआई प्रदीप आर्य ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर स्कूी और उस पर सवार युवकों की तलाश की जा रही है।

हादसे का सीसीटीवी वीडियो आया सामने

हादसे का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। इसमें बुजुर्ग सड़क पार करते नजर आ रहे हैं। इसी दौरान स्कूटी उन्हें टक्कर मार देती है। कैमरा घटनास्थल से दूर लगा होने के कारण फुटेज की गुणवत्ता कम है। स्क्रीन पर रिफ्लेक्शन के चलते स्कूटी का रजिस्ट्रेशन नंबर स्पष्ट नहीं दिख रहा है। फुटेज में दोनों स्कूटी सवार बुजुर्ग की मदद करने के बजाय मौके से भागते नजर आ रहे हैं।

टो वाहन ने आँटो-कार-बाइक को मारी टक्कर, 8 माह के गर्भस्थ शिशु की मौत

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में जगदलपुर-बीजापुर एनएच-63 पर गोदम रोड में 8 अक्टूबर की रात तेज रफ्तार टो वाहन ने आँटो, कार और बाइक को टक्कर मार दी थी। हादसे में आठ माह के गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई है, जबकि पांच लोग



वाहनों की भिड़ंत हो गई। हादसे में वैशाखी घायल हो रजिस्ट्रेशन नंबर स्पष्ट नहीं दिख मोत हो गई।

कार्यालय, प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मण्डली) बोर्ड
"सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन" सेक्टर-24, कयाबांधा, अटल नगर, नवा रायपुर-492018
फोन-0771-2995592, email-mdcgmandboard@gmail.com, website-www.agriportal.cg.nic.in

क्र./बी-6/वि.स.ओ. साजा/68-02/Mandi-698-26-27/3918

रायपुर, दिनांक 07/10/2026

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
Main Portal: <http://eproc.cgstate.gov.in>

छ.ग. लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत, सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से "प्रपत्र अ" प्रतिष्ठित दर पर अधोलिखित निर्माण कार्यों हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं :-

ऑनलाइन निविदा डालने की अंतिम तिथि — 02.11.2026
फिजिकल सबमिशन की अंतिम तिथि — 09.11.2026

क्र.	कार्य का नाम/स्थल	निविदा राशि (लाख में)	एस.ओ.आर विवरण
जिला दुर्ग, वि.ख. घग्घा अंतर्गत निर्माण कार्य :-			
1	ग्राम पंचायत अरसी में बाजार चौक में सीमेंटीकरण कार्य।	21.17	लो.नि.वि. सड़क कार्य दिनांक 01.01.2025 से प्रभावशील एस.ओ.आर पर।
2	ग्राम पंचायत अरसी के नवीन समिति धान खरीदी केन्द्र में गोदाम निर्माण।	12.30	लो.नि.वि. भवन कार्य दिनांक 01.01.2015, विद्युत कार्य दिनांक 01.07.2015 से प्रभावशील एस.ओ.आर पर।
3	ग्राम पंचायत हिरतरा के धान खरीदी केन्द्र में खाद गोदाम निर्माण कार्य।	12.30	

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य एवं विशेष शर्तें, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल <http://eproc.cgstate.gov.in> वेबसाइट पर निगारित तिथि तक देखे जा सकते हैं।

S- 49365/3

प्रबंध संचालक

Ashok JEWELLERY

Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sisa Jewellery

Beside Parakh Jewellers,
Aksash Ganga,
Supela, Bhillai

Hellio: 0788-4052727

Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

मिलानाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान

निखार बैंगल

मो.- 9826186026

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhillai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

खास-खबर



14 साल किराये के मकान में बिताने के बाद गिला अपना घर अम्बिकापुर। 14 साल तक किराये के मकान में रहने के बाद राधिका गुप्ता को अब पक्का घर मिल गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 का लाभ मिलने से उनके परिवार की वर्षों पुरानी आवास संबंधी समस्या दूर हुई है। वहीं महतारी वंदन योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता बच्चों की पढ़ाई और ट्यूशन के खर्च में मददगार साबित हो रही है। राधिका ने बताया कि पक्का आवास मिलने से परिवार में खुशी का माहौल है। वर्षों तक किराये के मकान में रहने के बाद अब परिवार को बेहतर आवासीय सुविधा मिली है।

फसल बीमा से हर फसल को मिल रही सुरक्षा, बढ़ा भरोसा दंतेवाड़ा। सेवा संकल्प के तहत किसानों को प्राकृतिक आपदाओं एवं मौसम की अनिश्चितताओं से होने वाले संभावित नुकसान से सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से शासन द्वारा फसल बीमा योजना संचालित की जा रही है। इसी क्रम में जिले के ग्राम गंजेनार निवासी श्रीमती छबीली मरकाम ने फसल बीमा योजना के तहत अपनी फसल का बीमा कराया है। श्रीमती छबीली मरकाम बताती हैं कि पिछले साल 2025 में अचानक बढ़ा आने के कारण उनका सफल नुकसान हुआ था। फसल बीमा के माध्यम से श्रीमती छबीली को प्राकृतिक आपदाओं एवं निर्धारित प्रावधानों के अंतर्गत फसल क्षति होने पर आर्थिक सहायता मिलने का अवसर मिला। फसल क्षति होने पर आर्थिक सहायता मिलने शासन की किसान हितैषी योजनाओं का लाभ लेकर श्रीमती छबीली को अधिक सुरक्षित एवं मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। फसल बीमा योजना किसानों को विपरीत परिस्थितियों में आर्थिक संबल प्रदान करने तथा कृषि कार्यों में निरंतरता बनाए रखने में सहायक है।

करमा हमारी संस्कृति, परंपरा और प्रकृति संरक्षण का प्रतीक : मुख्यमंत्री

जनजातीय समाज की शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक प्रगति और रोजगार के लिए प्रतिबद्ध है सरकार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। करमा तिहार हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपरा, आस्था और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम प्रतीक है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने के साथ प्रकृति के संरक्षण, सामाजिक एकता और सामूहिकता का संदेश देता है। बदलते समय के बीच कंवर समाज ने अपनी सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और रीति-रिवाजों को सहेजकर नई पीढ़ी के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़े रहना ही किसी समाज की वास्तविक शक्ति है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में छत्तीसगढ़ प्रदेश कंवर समाज युवा प्रभाग महानगर इकाई द्वारा आयोजित भव्य करमा परब महोत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर



कार्यक्रम का शुभारंभ किया और करमा तिहार की खुशियां समाजजनों के साथ साझा कीं। उन्होंने भादो एकादशी व्रत

एवं करमा तिहार की सभी समाजजनों और प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कंवर समाज के लिए कोरबा जिले के मडुवारानी में सामाजिक भवन निर्माण हेतु 50 लाख रुपए, राजधानी रायपुर के टाटीबंध में सामाजिक भवन के लिए 25 लाख रुपए तथा कांकेर के ग्राम जेफरा में सांस्कृतिक मंच के लिए 15 लाख रुपए देने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने राजधानी रायपुर में प्रतिवर्ष करमा महोत्सव के आयोजन के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने इस भव्य आयोजन के लिए कंवर समाज युवा प्रभाग और सभी सामाजिक पदाधिकारियों की सराहना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कंवर समाज में शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता की सराहना करते हुए कहा कि समाज अपनी संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के साथ शिक्षा और सामाजिक सुधार की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। नशामुक्ति को लेकर समाज के

भीतर हो रही सार्थक पहल सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है।

उन्होंने कहा कि किसी भी समाज

जनजातीय समाज का उत्थान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान के लिए अभूतपूर्व प्रयास किए जा रहे हैं। आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर जनजातीय समाज की बेटी राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू विराजमान हैं। यह पूरे जनजातीय समाज के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आत्मीयता के साथ कहा कि आज छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री भी आपके बीच का आपका अपना 'विष्णु भैया' है। हमारी सरकार जनजातीय समाज के प्रत्येक परिवार को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और नई पीढ़ी को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

को प्रगति के लिए शिक्षा, संस्कार, अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती, हमारी युवा पीढ़ी आधुनिक शिक्षा, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़े, नए अवसरों का लाभ उठाए, लेकिन अपनी सांस्कृतिक पहचान और मूल्यों को भी हमेशा साथ लेकर चले। मुख्यमंत्री ने युवाओं से नशे से दूर रहने, दूसरों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा सामाजिक एकजुटता को और मजबूत बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि करमा परब महोत्सव का आयोजन युवा प्रभाग द्वारा किया जाना विशेष प्रसन्नता की बात है। यह इस बात का प्रमाण है कि नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत को लेकर सजग है और उसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भी निभा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटियों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार बनने के बाद किसानों से किया गया दो वर्षों के लंबित धान बोनस का वादा पूरा करते

हुए पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय संगठन और जागरूकता आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों से 3,100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीद रही है। किसानों की आर्थिक समृद्धि और कृषि क्षेत्र को मजबूत करना सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में है। सरकार का प्रयास है कि खेती लाभकारी बने और अन्नदाता किसान के जीवन में खुशहाली आए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वनांचल में रहने वाले परिवारों की अपनी सांस्कृतिक विरासत को लेकर तैदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक को 4 हजार रुपए से बढ़ाकर 5,500 रुपए प्रति मानक बोरा किया गया है। इससे प्रदेश के लाखों तैदूपत्ता संग्राहक परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। तैदूपत्ता संग्राहक भाई-बहनों के लिए चरण पादुका योजना को भी पुनः प्रारंभ किया गया है।

प्रकृति और मानव के अटूट संबंध का उत्सव है करमा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय युवाओं सहित प्रदेश के सभी युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार और खेल सुविधाओं का निरंतर विस्तार कर रही है। बस्तर अंचल में लंबे समय से बंद पड़े स्कूलों को पुनः प्रारंभ किया गया है, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को शिक्षा के बेहतर अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले जनजातीय युवाओं की सुविधा के लिए दिल्ली में संचालित ट्राइबल यूथ हॉस्टल की सीटों की संख्या बढ़ाकर 200 की गई है। इससे प्रदेश के अधिक युवाओं को देश की प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर वातावरण और सुविधाएं मिलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय रोजगार मेले के माध्यम से हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। राज्य की नई औद्योगिक नीति में अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए विशेष प्राधान्य दिए गए हैं, ताकि हमारे युवा केवल रोजगार प्राप्त करने वाले ही नहीं, बल्कि उद्यमी बनकर दूसरों को भी

रोजगार देने वाले बनें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी प्राथमिकता केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि उनका लाभ जनजातीय समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और उसके जीवन में वास्तविक बदलाव आए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने के लिए खेल अधोसंरचना और प्रशिक्षण सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। जनजातीय अंचलों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। सरकार का प्रयास है कि उन्हें उचित अवसर, प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान के माध्यम से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को पक्के आवास, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। इसी प्रकार धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से जनजातीय बहुल गांवों के समग्र विकास को गति दी जा रही है।

साइबर सुरक्षा के लिए जनभागीदारी जरूरी, जागरूकता को जनआंदोलन बनाने की आवश्यकता : सीएम साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। डिजिटल युग में साइबर अपराध एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आए हैं और इनसे सुरक्षित रहने का सबसे प्रभावी माध्यम जागरूकता, सतर्कता और जनभागीदारी है। साइबर सुरक्षा केवल शासन और पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। हमें साइबर जागरूकता को जनआंदोलन का स्वरूप देना होगा, तभी हम साइबर ठगी और डिजिटल अपराधों से सुरक्षित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार कर सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने पॉडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा आयोजित 'साइबर जागृति अभियान एवं ट्रैफिक हैकार्थॉन-2026' के अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि डिजिटल सुविधाओं के विस्तार ने जहां नागरिकों के जीवन को आसान बनाया है, वहीं साइबर ठगी और डिजिटल अपराधों की चुनौतियां भी बढ़ी हैं। अपराधी नई-नई तकनीकों और तरीकों का उपयोग कर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। कई बार तकनीकी रूप से जानकारी व्यक्ति भी इनके जाल में फंस जाते हैं। ऐसे में प्रत्येक



जाती थीं। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। गांव का सामान्य नागरिक भी मोबाइल फोन के माध्यम से डिजिटल भुगतान कर रहा है और तकनीक के जरिए देश-दुनिया से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि डिजिटल सुविधाओं के विस्तार ने जहां नागरिकों के जीवन को आसान बनाया है, वहीं साइबर ठगी और डिजिटल अपराधों की चुनौतियां भी बढ़ी हैं। अपराधी नई-नई तकनीकों और तरीकों का उपयोग कर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। कई बार तकनीकी रूप से जानकारी व्यक्ति भी इनके जाल में फंस जाते हैं। ऐसे में प्रत्येक

नागरिक को साइबर अपराध के तौर-तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक चलाए गए सात सप्ताह विशेष साइबर जागृति अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इस अभियान ने साइबर सुरक्षा के संदेश को शहरों से लेकर गांवों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान प्रत्येक सप्ताह अलग-अलग विषयों को केंद्र में रखकर अभिनव गतिविधियां आयोजित

की गईं। विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, विद्यालयों, ग्राम पंचायतों, हाट-बाजारों और सार्वजनिक स्थलों तक पहुंचकर नागरिकों को जागरूक किया गया। अभियान के दौरान 5 लाख से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, 5 लाख से अधिक सेलफ़ी के माध्यम से नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की गई और लगभग 1 करोड़ 70 लाख लोगों तक साइबर अपराधों से बचाव का संदेश पहुंचाया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी यह दर्शाती है कि साइबर सुरक्षा अब केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार और नागरिक से जुड़ा विषय बन चुका है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि साइबर जागृति अभियान को किसी निश्चित अवधि तक सीमित नहीं रखा जा सकता। सात सप्ताह का यह अभियान समाप्त जरूर हुआ है, लेकिन साइबर जागरूकता को यह यात्रा आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना है। इसके लिए पुलिस और प्रशासन के साथ सामाजिक संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थाओं, युवाओं और आम नागरिकों को भी सक्रिय

भागीदारी निभानी होगी। विशेष रूप से युवाओं को साइबर जागरूकता के संवाहक के रूप में आगे आकर अपने परिवार और समाज को सुरक्षित बनाने में योगदान देना चाहिए।

डिजिटल लेनदेन में भारत की अग्रणी भूमिका : शर्मा

उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि आज दुनिया में होने वाले डिजिटल लेनदेन का लगभग 50 प्रतिशत भारत में हो रहा है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया अभियान की बड़ी उपलब्धि है। डिजिटल लेनदेन ने लोगों के जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इसके साथ साइबर अपराधों से सुरक्षा की चुनौती भी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को साइबर अपराधों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पुलिस ने साइबर जागृति अभियान के माध्यम से अभियान पहले की है। अभियान के दौरान पुलिस ने धार्मिक आयोजनों, चौक-चौराहों, ग्राम सभाओं, ग्राम पंचायतों, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और विद्यालयों तक पहुंचकर लोगों को ऑनलाइन ठगी तथा साइबर अपराधों से बचाव के तरीके बताए।

श्री शर्मा ने कहा कि पुलिस केवल जागरूकता तक सीमित नहीं है, बल्कि साइबर अपराधियों के पूरे नेटवर्क के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई भी कर रही है। साइबर ठगी में उपयोग होने वाले मूल्य खाते खोलने में सलिस बैंकर्मियों से लेकर फर्जी सिम उपलब्ध कराने वालों तक कार्रवाई की गई है।

इन प्रयासों से साइबर अपराधों से संबंधित एफआईआर में कमी आई है और ठगी गई राशि की रिकवरी की दर में भी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए केवल पुलिस और प्रशासन के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। समस्याओं का स्थायी समाधान जनभागीदारी और नवाचार से ही संभव है।

शिक्षा एवं रोजगार विभाग ने चार संस्थाओं के साथ किया एमओयू

उद्योगों की जरूरत के अनुरूप मिलेगा युवाओं को कौशल प्रशिक्षण : मुख्यमंत्री



श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें उद्योगों की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बनाने से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया था। इस वर्ष भी आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं कौशल विकास से जुड़े विद्यार्थियों को लगभग 48 से 50 घंटे का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जंगल सफाई में विभिन्न ट्रेडों से संबंधित कौशल प्रशिक्षण के लिए भी संस्थाओं के साथ एमओयू की पहल की जा रही है। इससे युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के अवसर मिलेंगे।

प्रदेश के पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों में शिक्षा एवं प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए कालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के माध्यम से थर्ड पार्टी मूल्यांकन कराया गया है। इस मूल्यांकन में संस्थाओं के शैक्षणिक स्तर, प्रशिक्षण व्यवस्था, उपलब्ध अधोसंरचना और अन्य आवश्यक सुविधाओं का आकलन किया गया है। मूल्यांकन की रिपोर्ट का रोजगार मेला के समापन समारोह में मुख्यमंत्री श्री साय, मंत्री तकनीकी शिक्षा (एमओयू) की पहल की गई। इन समझौतों के माध्यम से विद्यार्थियों को उद्योगों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उन्हें रोजगार प्राप्त करने में सुविधा होगी।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के सहयोग से इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह प्रशिक्षण कंपनी की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के अंतर्गत निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक और उद्योगों में उपयोग होने वाले व्यावहारिक कौशल की जानकारी प्राप्त होगी।

इसी प्रकार अडानी समूह के सहयोग से आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को उद्योग आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस पहल से विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता विकसित करने के साथ ही औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

विद्यार्थियों के व्यक्ति विकास और रोजगार क्षमता में वृद्धि के लिए नांदी फाउंडेशन के सहयोग से सॉफ्ट रिकल, अंग्रेजी संवाद कौशल, साक्षात्कार की तैयारी एवं व्यक्तित्व विकास से संबंधित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पिछले वर्ष इस संस्था के माध्यम से छह हजार से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया था। इस वर्ष भी आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं कौशल विकास से जुड़े विद्यार्थियों को लगभग 48 से 50 घंटे का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जंगल सफाई में विभिन्न ट्रेडों से संबंधित कौशल प्रशिक्षण के लिए भी संस्थाओं के साथ एमओयू की पहल की जा रही है। इससे युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के अवसर मिलेंगे।

प्रदेश के पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों में शिक्षा एवं प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए कालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के माध्यम से थर्ड पार्टी मूल्यांकन कराया गया है। इस मूल्यांकन में संस्थाओं के शैक्षणिक स्तर, प्रशिक्षण व्यवस्था, उपलब्ध अधोसंरचना और अन्य आवश्यक सुविधाओं का आकलन किया गया है। मूल्यांकन की रिपोर्ट का रोजगार मेला के समापन समारोह में मुख्यमंत्री श्री साय, मंत्री तकनीकी शिक्षा (एमओयू) की पहल की गई। इन समझौतों के माध्यम से विद्यार्थियों को उद्योगों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उन्हें रोजगार प्राप्त करने में सुविधा होगी।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के सहयोग से इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह प्रशिक्षण कंपनी की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के अंतर्गत निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक और उद्योगों में उपयोग होने वाले व्यावहारिक कौशल की जानकारी प्राप्त होगी।

इसी प्रकार अडानी समूह के सहयोग से आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को उद्योग आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस पहल से विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता विकसित करने के साथ ही औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।